

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

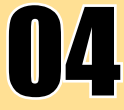
पटना, वर्ष: 7 , अंक: 232 , सोमवार, 05 अक्टूबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



बहुजन आर्मी के पूर्वी चंपारण जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन



चकदहवा में पहुंची मेडिकल टीम, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव



अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया, कहा- सेट पर कई...



हवा में बना अभेद्य सुरक्षा घेरा, क्वांटम कंप्यूटर भी होंगे फेल

भारत की ‘वैदिक कवच’ तकनीक ने रच दिया नया इतिहास!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसी कामयाबी हासिल कर ली है जिसे कोई भी बड़े से बड़ा सुपरकंप्यूटर या हैकर भेद नहीं सकेगा। दरअसल देश में पहली बार वायरलेस तरीके से 5.56 किलोमीटर की दूरी तक फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन यानी कि क्यूकेडी का सफल परीक्षण किया गया है। यह कारनामा क्यूएनयू लैब्स, बिसाग-एन और आआईटी गांधीनगर ने मिलकर किया है। आने वाले समय में जब क्वांटम कंप्यूटर्स के आगे लगभग सभी पासवर्ड और मौजूदा इंटरनेट सुरक्षा फीकी पड़ जाएगी, तो यह स्वदेशी तकनीक भारत के बैंकों,



तुरंत पता चल जाएगा कि किसी ने चोरी की कोशिश की

इस तकनीक की एक खासियत और है कि अगर कोई किसी तरह वायरलेस तरीके से भेजे जाने वाली की या चाबी तक पहुंच बनाता भी है, तो वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगी। इसके अलावा चाबी भेजने और पाने वाले दोनों को तुरंत पता चल जाएगा कि किसी ने चोरी की कोशिश की है। क्यूकेडी यानी कि फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन इसी तरीके से काम करती है और इसे विज्ञान में क्वांटम सुरक्षा कहते हैं, जिसे कभी चुराया या हैक नहीं किया जा सकता।

सेना और जरूरी डेटा को पूरी तरह से सुरक्षित रख सकेगी। आसान भाषा में समझें, तो यह एक गुप्त चाबी बनाने जैसा है, जो दो लोगों के बीच वायरलेस तरीके से भेजी जाती है। उदाहरण के लिए आप कोई जानकारी बक्स में बंद करके किसी को भेजें और उस बक्स की चाबी को वायरलेस तरीके से दूसरे शब्दों तक पहुंचाएं, तो कोई चाबी को हथिया नहीं पाएगा।

रात में हुआ 5.56 किमी का सफल परीक्षण

रिपोर्ट्स के मुताबिक (आरई एफ.), क्यूकेडी तकनीक के ट्रायल को 27-28 सितंबर की रात को बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर के बीच हवा में लेजर बीम के जरिए किया गया। इसमें क्यूएनयू लैब्स के खास ट्रेकिंग सिस्टम का भी इस्तेमाल हुआ। इस टेस्टिंग में एरर रेट यानी कि गलतियों की संभावना 5 फीसदी से भी कम रही। इसके साथ ही प्रति सेकंड 230 से 260 बिट्स की रफ्तार से सुरक्षित सीक्रेट कोड तैयार हुआ। इन कोड्स के जरिए टेस्ट मैसेजेस को भेजा गया।

फिर घर-घर जाएंगे बीएलओ, होगा एसआईआर सत्यापन

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक काम में लगाने से बड़ी नाराजगी



कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत एक बार फिर बुध लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर सत्यापन का काम करना पड़ सकता है। एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और

मौजूदा सूची का मिलान करने के बाद छूटे मतदाताओं की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद बीएलओ संबंधित लोगों के घर जाकर उनकी मौजूदा स्थिति का सत्यापन करेंगे। इस काम में स्कूल शिक्षकों को फिर बीएलओ के रूप

बीएलओ मंच ने भी जताया विरोध

वोटकर्मी एवं बीएलओ मंच ने भी शिक्षकों को बार-बार गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाने पर नाराजगी जताई है। संगठन के महासचिव स्वपन मंडल ने कहा कि शिक्षकों को लगातार स्कूल के मूल काम से अलग जिम्मेदारियां दिए जाने का सीधा असर पढ़न-पाठन पर पड़ता है।

में लगाने की आशंका से शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि पिछले वर्ष नवंबर से एसआईआर का काम शुरू होने के बाद से ही कई स्तर पर पढ़ाई प्रभावित हुई। इसके बाद 2026 की शुरुआत में जांच हुई।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी एजेंट के हनी ट्रैप में फंसा नेवी जवान

● खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप, कोयंबटूर से गिरफ्तार

कोयंबटूर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है।



टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली।

दीपावली से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार देगी तोहफा

● लाखों राज्यकर्मियों को मिलेगा बोनस और महंगाई भता

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्यकर्मियों की दीपावली अधिक रोशन और रंगीन करने की तैयारी कर ली है। सरकार करीब 18 लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दीपावली से पहले महंगाई भता और बोनस का तोहफा देने की तैयारी कर रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य कर्मियों को दीपावली से पहले बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर ली है। सरकार को इस कदम से राज्यकर्मियों को बढ़ा हुआ डीए और बोनस 3400 से 7000 तक मिल सकता है। इसके साथ ही सरकारी कर्मियों और पेंशनरों को तीन प्रतिशत महंगाई भता और महंगाई राहत देने की भी तैयारी कर रही है।

सीईसी से जुड़े आत्महत्या मामले की होगी विजिलेंस जांच

● केरलम सरकार ने दिए आदेश 2006 में इंजीनियर ने की थी आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम गृह मंत्री रमेश चेन्नित्थला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला 2006 में राज्य के लोक निर्माण विभाग के सचिव के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान हुई अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा है। यह मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है, जो केरल राज्य परिवहन परियोजना के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन में शामिल कंसोर्टियम से जुड़े थे।



बीजेपी ने दो राज्यसभा उम्मीदवारों का किया ऐलान

● उत्तराखंड से दिनेश आर्य तो बंगाल से कोयल मल्लिक मैदान में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तराखंड में 2026 के राज्यसभा (द्विवार्षिक) चुनाव के लिए दिनेश आर्य और पश्चिम बंगाल से रुक्मिणी मल्लिक को अपना उम्मीदवार बनाया है। उत्तराखंड से मौजूदा राज्यसभा सदस्य नरेश बंसल का कार्यकाल पूरा हो रहा है जिसके चलते उपचुनाव की जरूरत पड़ी।



एक्ट्रेस से नेता बनीं रुक्मिणी मल्लिक, जिन्हें कोयल मल्लिक के नाम से भी जाना जाता है, हाल ही में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुई हैं। उन्होंने इस साल जुलाई में तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिससे वह सीट खाली हुई। चुनाव आयोग ने 22 सितंबर को ऐलान किया था कि 16 अक्टूबर को 11 राज्यसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव होंगे।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का हल्लाबोल

मुंबई में किया प्रदर्शन, बोले-सीईसी बीजेपी का हथियार हैं

मुंबई (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं।



‘तानाशाही तो हिटलर की भी नहीं चली’

उद्धव ठाकरे ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि देश में इस वक्त तानाशाही चल रही है, लेकिन यह सरकार ध्यान रखे कि हिटलर भी ऐसा ही एक तानाशाह था, लेकिन आखिर में उसे खुद को ही गोली मारनी पड़ी। इस देश में भी ऐसी ही स्थिति पैदा हो सकती है। जो लोग मनमानी कर रहे हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

यहां तानाशाह को उखाड़ फेंकने के लिए आए हैं

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि हम सभी आज यहां पर तानाशाह को ही उखाड़ फेंकने के लिए इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पूरे देश में 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी वोटर्स को बाहर किया गया है। बंगाल में अभी भी उपचुनाव चल रहा है और लोगों ने वोट देने का अधिकार पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिशनरों के अपॉइंटमेंट पर मेरे मन में सवाल है।

रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया, 1 की मौत 400 करोड़ का नुकसान

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के सूभी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएँ का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों और घायलों की संख्या आगे बदल सकती है। यह फैक्ट्री रूस की सीमा से करीब 23 किलोमीटर दूर है। यह फैक्ट्री कुसुम ग्रुप की है।



पहले दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचती थी कंपनी

2002 में कुसुम ग्रुप ने दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचने का काम बंद कर दिया और अपने ब्रांड की दवाओं की मार्केटिंग शुरू की। इसके बाद कंपनी ने खुद दवाएं बनाना शुरू किया। 2007 में भारत में प्लांट शुरू किया गया। 2009 में यूक्रेन के सूभी में दवा बनाने की फैक्ट्री शुरू की गई।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की ‘फाइनल’ चार्जशीट जल्द

एनटीए अधिकारियों का नाम नहीं होगा शामिल, 13 निजी व्यक्ति हैं आरोपी



नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) एक हफ्ते के अंदर नेशनल एंलिजिबिलिटी कम प्रेस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 पेपर लीक मामले में अपनी दूसरी और आखिरी चार्जशीट दाखिल करने वाली है लेकिन इसमें केंद्र सरकार या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के किसी अधिकारी को आरोपी बनाए जाने की संभावना नहीं है। रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि सीबीआई की जांच में सिर्फ 13 लोगों की भूमिका का पता चल पाया है, जिनमें एनटीए के लिए प्रब्लम विटलराव कुलकर्णी और फिजिक्स के लिए मनीषा संजय हवलदार। सीबीआई ने तब कहा था कि उसने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, गवर्नमेंट एग्जामिनर ऑफ क्वेश्चनरैंड ऑक्जुमेंट्स और दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स की राय वाली रिपोर्ट जमा करने के लिए दूसरे साजिशकर्ताओं की भूमिका की जांच खुली रखी थी।

चार्जशीट में 13 आरोपियों के नाम किए हैं शामिल

पेपर लीक मामले में पहली चार्जशीट 28 जुलाई को दाखिल की गई, जिसमें 13 आरोपियों के नाम शामिल हैं। इनमें एनटीए द्वारा नियुक्त तीन विषय विशेषज्ञ भी हैं बॉटनी और जूलॉजी के लिए मनीषा गुरुनाथ मंधार, केमिस्ट्री के लिए प्रब्लम विटलराव कुलकर्णी और फिजिक्स के लिए मनीषा संजय हवलदार। सीबीआई ने तब कहा था कि उसने सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, गवर्नमेंट एग्जामिनर ऑफ क्वेश्चनरैंड ऑक्जुमेंट्स और दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट्स की राय वाली रिपोर्ट जमा करने के लिए दूसरे साजिशकर्ताओं की भूमिका की जांच खुली रखी थी।

संक्षिप्त समाचार

पति ने पत्नी की डंडे से पीटकर हत्या की, मर्डर के बाद पूरा परिवार भागा, बेटी बोली- पापा ने डंडे से मां को मारा



हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मथुरापुर वार्ड-6 में पति ने अपनी पत्नी की डंडे से पीट-पीट कर हत्या कर दी और वारदात के बाद पूरे परिवार के साथ फरार हो गया। घर में मृतका की 5 साल की बेटी अकेली खेलती मिली। मृतका की पहचान आशा देवी (22), पिता गणेश पासवान के रूप में हुई है। मृतका का मायका राघोपुर के जुरावनपुर थाना क्षेत्र के पहाड़पुर वार्ड-12 में है। उसकी शादी ढाई साल पहले मथुरापुर निवासी सुजीत पासवान, पिता विलास पासवान से हुई थी। परिजनों के अनुसार दोनों की यह दूसरी शादी थी। सुजीत की पहली पत्नी की बीमारी से मौत हो गई थी, जिससे उसके दो बच्चे हैं। आशा देवी के भी पहले पति की बीमारी से मौत हो गई थी, जिससे उसकी एक बेटी अंशिका कुमारी (5) है। मृतका के पिता गणेश पासवान ने बताया कि शादी के समय ही दोनों पक्षों को पहले विवाह और बच्चों के बारे में बता दिया गया था। बच्चों को लेकर ही अक्सर विवाद होता था। आरोप है कि इसी विवाद में रात में हत्या कर दी गई। मृतका की मां ने बताया कि शादी के 6 महीने तक सब ठीक था, उसके बाद पति का व्यवहार बदल गया। वह पुराने ससुराल से संबंध रखने लगा और आशा के साथ मारपीट करने लगा। 5 दिनों से उसे खाना तक नहीं दिया जा रहा था। बेटी रात 9 बजे आशा ने फोन कर कहा था कि “हमें ले चलो, नहीं तो ये लोग जिंदा नहीं छोड़ेंगे”, लेकिन परिजनों ने सुबह लेने की बात कही। सुबह एक ग्रामीण ने फोन कर मौत की सूचना दी। 5 वर्षीय बेटी अंशिका ने बताया कि रात में खाना खाने के बाद पापा ने डंडे से मां को मारा। उस वक्त दादी मठ पर गई थी और दादा घर पर नहीं थे। कोई बचाने वाला नहीं था। मारने के बाद सभी घर से भाग गए। इस संबंध में बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि, ‘सूचना मिली थी कि एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में शव घर में मिला है। सूचना के आधार पर पुलिस अधिकारी मौके से पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है।’ ‘एफएसएल की टीम मौके से आई है और जांच सैपल कलेक्ट की है। हालांकि मृतका के मायके वालों के द्वारा महिला की मारपीट और प्रताड़ित करने की बात कही गई है। लिखित रूप से अभी तक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। फिलहाल परिवार शव की दाह संस्कार में जुटे हैं। आवेदन प्राप्त होते ही FIR दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।’

पटना नगर निगम की जेसीबी ने व्यक्ति को कुचला, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल; कार्रवाई की मांग

पटना। पटना में शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में नगर निगम की जेसीबी की चपेट में आने से 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान हीरा चौहान के रूप में हुई है। घटना दीघा थाना क्षेत्र के दीघा घाट स्थित सूर्य मंदिर के समीप की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, देर रात वह दीघा घाट सूर्य मंदिर के पास मौजूद थे। इसी दौरान नगर निगम की जेसीबी की चपेट में आ गए। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही दीघा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे को लेकर स्थानीय लोगों में भी काफी आक्रोश है। लोग गांधी की जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जेसीबी चालक और हादसे की पूरी परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

फॉरेंसिक साइंस की पुस्तक का तीसरा संस्करण जारी, एफएसएल विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे

पटना। पटना के सपना मोड़ स्थित एक कार्यक्रम में फॉरेंसिक साइंस से जुड़ी पुस्तक के तीसरे संस्करण का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। इस मौके पर FSL विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। FSL विभाग के डिप्टी डायरेक्टर शैहवाज आलम ने बताया कि इस पुस्तक का पहला संस्करण वर्ष 2013 में प्रकाशित हुआ था। इसके बाद वर्ष 2016 और 2019 में इसके संस्करण प्रकाशित किए गए। अब वर्ष 2026 में पुस्तक का नया संस्करण जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक खास तौर पर NET-JRF और असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। इसमें फॉरेंसिक साइंस से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न और अभ्यास सामग्री दी गई है। इसके अलावा FSL में नौकरी के लिए आयोजित होने वाली योग्यता परीक्षाओं की तैयारी में भी यह पुस्तक मददगार होगी। ऑल इंडिया पुलिस इयूटी मीट के तहत होने वाली परीक्षाओं के लिए भी इसे महत्वपूर्ण बताया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य फॉरेंसिक साइंस के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी और अभ्यास के लिए एक उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में ज्युडिशरी पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीम से जुड़े लोग मौजूद रहे।

महावीर मंदिर में नवरात्र को लेकर विशेष व्यवस्था, नाम-गोत्र से करा सकेंगे कलश स्थापना

पटना। दुर्गापूजा के मौके पर महावीर मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु अब मंदिर परिसर में अपने नाम और गोत्र से कलश स्थापित करवाकर मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना और पाठ करवा सकेंगे। जो भी श्रद्धालु नवरात्र में अपने नाम से अनुष्ठान कराना चाहते हैं, वे मंदिर के बुकिंग काउंटर या मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायगा कुमाल ने बताया कि बीते वर्षों की तरह इस वर्ष भी नवरात्र के मौके पर कलश स्थापना की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालु 2310 रुपये शुल्क देकर दुर्गासप्तशती का समूट पाठ कर सकते हैं। इसमें सात सौ मंत्रों वाले श्रीगंगासप्तशती के 13 अध्यायों के मंत्रों के आगे-पीछे विशेष बीज मंत्र जोड़कर पाठ किया जाता है। सामान्य पाठ की तुलना में इस अनुष्ठान में अधिक समय लगता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसे विशेष फलदायी माना जाता है। 1110 रुपये में साधारण दुर्गासप्तशती पाठ की सुविधा उपलब्ध है। इसमें अर्गला, कीलक, कवच, शापोद्धार, शतनाम, मूल 13 अध्याय और अंत में ऋग्वेद के देवी सूक्त का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पाठ किया जाता है। इस अनुष्ठान को पूरा होने में करीब ढाई घंटे लगते हैं। श्रद्धालु 8250 रुपये में नौ दिनों के लिए कलश स्थापना के साथ दुर्गा पाठ भी करा सकते हैं। घटस्थापना नवरात्र पूजा का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है। इस अनुष्ठान में पूरे नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। इच्छुक श्रद्धालु मंदिर के बुकिंग काउंटर या आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अनुष्ठान के लिए बुकिंग करा सकते हैं।

विधानसभा में उठेगा ग्रामीण पत्रकारों की सुरक्षा, वरीय पत्रकारों के पेंशन और मान्यता का मुद्दा

- ♦ **पारु विधायक शंकर प्रसाद यादव एवं लालगंज विधायक संजय सिंह ने दिलावा भरोसा**
- ♦ **मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी के ‘हमारी आवाज’ कार्यक्रम में पत्रकारों ने सर्वसम्मति से पारित किया मांग-पत्र, जनप्रतिनिधियों ने दिया पहल का भरोसा**

एजेंसी, सौर्या	पारु विधायक शंकर राय ने कहा कि सूचना तंत्र की वास्तविक रीढ़ प्रखंड स्तर के पत्रकार हैं। पहले पत्रकारिता का केंद्र अनुमंडल तक सीमित था, लेकिन अब प्रखंड स्तर पर बड़ी संख्या में पत्रकार सक्रिय होकर जनता की समस्याओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी सामने ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा और पेंशन से जुड़े मुद्दे को सरकार के समक्ष रखने के साथ विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाने का प्रयास करेंगे। लालगंज विधायक संजय सिंह ने भी पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में जिला पार्षद विपिन
मुजफ्फरपुर जिले के सरैया स्थित आमंत्रण रिसॉर्ट में मीडिया फॉर बॉर्डर हार्मोनी, भारत-नेपाल के पत्रकार संगठन की ओर से ‘हमारी आवाज’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुजफ्फरपुर, वैशाली, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, समस्तीपुर, फारिसगंज समेत विभिन्न जिलों से पहुंचे पत्रकारों ने पत्रकार हित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। पत्रकारों की ओर से रखे गए सुझावों को मांग-पत्र के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे ध्वनि मत से पारित किया गया।	
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए	



शाही, मुखिया प्रतिनिधि चिदानंद द्विवेदी, जिला पार्षद प्रतिनिधि मुन्ना राइन, कार्यालय प्रभारी सुमित कुमार, वैशाली जिला अध्यक्ष प्रभात कुमार और मोतिहारी जिला अध्यक्ष नवेंदु कुमार सिंह, मुजफ्फरपुर के सदस्यता अभियान प्रभारी पत्रकार विनोद पासवान समेत कई मौजूद रहे।

कार्यक्रम में पत्रकार नवेंदु कुमार सिंह, पप्पू कुमार सिंह, राजा कुमार शाह, सितेश कुमार, शैलेंद्र कुमार, नवीन कुमार, समरजीत कुमार, रंजन, संतोष कुमार, नागमणि मिश्रा, अजीत कुमार, रोहन तिवारी, मुकेश कुमार सिंह, सत्येंद्र कुमार

पत्रकारों की प्रमुख मांगें-	जिला अध्यक्ष रंजन कुमार ने की। संचालन विरुध्द पत्रकार अमर्द तिवारी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कृत्यानंद सिंह ने किया।
● बिहार पत्रकार संरक्षण आयोग का गठन कर पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों का संरक्षण किया जाए।	
● ग्रामीण एवं प्रखंड स्तर पर कार्यरत पत्रकारों को मान्यता प्राप्त पत्रकार का दर्जा दिया जाए। मान्यता आवेदन में जिला व अनुमंडल के साथ प्रखंड का कॉलम जोड़ा जाए और कोटा सिस्टम समाप्त किया जाए।	
● 58 वर्ष की आयु पार कर चुके वरीय पत्रकारों को पत्रकार पेंशन योजना में शामिल किया जाए, ताकि लंबे समय तक पत्रकारिता करने वालों को आर्थिक सुरक्षा मिल सके।	
● सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पत्रकारों तक पहुंचाने के लिए प्रेस क्लबों का नियमित संचालन किया जाए।	
● प्रत्येक जिले के प्रेस क्लब में जिला प्रशासन की ओर से मासिक पत्रकार गोष्ठी आयोजित की जाए।	
● पत्रकारों को आकरिस्मक परिस्थितियों में आर्थिक सहायता देने के लिए पत्रकार आकस्मिक सहायता कोष गठित किया जाए।	

1799 पदों पर दारोगा मेंस रह होने पर अभ्यर्थी बोले ‘हमारी क्या गलती, सीएम हाउस का घेराव करेंगे

एजेंसी, पटना	पटना में 1799 पदों पर दरोगा भर्ती की मेंस परीक्षा रह किए जाने के विरोध में अभ्यर्थी कल बड़ा प्रदर्शन करेंगे। अभ्यर्थियों ने गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास और आयोग के घेराव की घोषणा की है। उनका कहना है कि पिछले 7 दिनों से गर्दनीबाग धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई है। अभ्यर्थियों की मुख्य मांग 1799 पदों के लिए तत्काल फिजिकल परीक्षा की तारीख जारी करने और मेंस परीक्षा रह करने का नोटिस वापस लेने की है।
10,789 अभ्यर्थी हुए थे मेंस में सफल: अभ्यर्थियों के अनुसार, 1799 पदों पर भर्ती के लिए हुई प्रक्रिया में कुल 10,789 अभ्यर्थी मेंस परीक्षा में सफल हुए थे। इन अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने प्री और मेंस परीक्षा की तैयारी के बाद पिछले कई महीनों से फिजिकल की तैयारी शुरू कर दी थी। अब अचानक मेंस परीक्षा रह किए जाने से उनका भविष्य प्रभावित हो रहा है। अभ्यर्थियों ने सवाल उठाते हुए	



कहा है कि बिना जांच और सबूत के परीक्षा रह क्यों की गई? रद्दीकरण नोटिस में बताए गए ‘अपरिहार्य कारण’ क्या हैं, इसकी भी जानकारी अभ्यर्थियों को दी जानी चाहिए। उनका कहना है कि परीक्षा की बूकलेट निर्माण और ट्रांसपॉजेशन के दौरान भी क्षतिग्रस्त हो सकती है, ऐसे में पूरी परीक्षा रह करने के बजाय मामले की जांच की जानी चाहिए। ‘**4 महीने से फिजिकल की तैयारी कर रहे थे:**’ पटना की रहने वाली अभ्यर्थी निधि ने कहा कि हम लोग 1799 दरोगा भर्ती के अभ्यर्थी हैं। जनवरी में पीटी और मई में मेंस परीक्षा दी थी। इसके बाद पिछले करीब चार महीने से गांधी मैदान में सुबह फिजिकल की तैयारी कर रहे थे। वैशाली के गौरव कुमार ने कहा कि ‘अपरिहार्य कारणों’ से परीक्षा रह करने की बात कही गई है। आज तक ऐसा नहीं सुना कि जांच चल रही हो और इसी बीच परीक्षा रह कर दी जाए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी मानसिक तनाव में हैं और उन्हें आगे की प्रक्रिया को लेकर कुछ समझ नहीं आ रहा है। अब वे सड़क पर उतरकर अपनी मांग सरकार और आयोग तक पहुंचाना चाहते हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स से बाहर मकान अब टैक्स दायरे में आएगी, पटना में आज से लगेंगे विशेष शिविर सफाई निरीक्षक, सेक्टर सुपरवाइजर करेंगे संपत्तियों की पहचान

एजेंसी, पटना	पटना नगर निगम ने प्रॉपर्टी टैक्स के दायरे से बाहर रह गई संपत्तियों को टैक्स नेटवर्क में शामिल करने और राजस्व संग्रह बढ़ाने की कवायद तेज कर दी है। डोर-टू-डोर सर्वे के बाद अब अलग-अलग वार्डों में विशेष कर निर्धारण शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में नागरिक अपनी संपत्ति का नया कर निर्धारण, पुनर्निर्धारण, विवरण में बदलाव या संशोधन और बकाया प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान करा सकेंगे।
दो चरणों में होंगे टैक्स असेसमेंट शिविर: नगर निगम की ओर से शिविरों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण	पहचान करने का निर्देश दिया है, जिनका अब तक टैक्स असेसमेंट नहीं हुआ है या दोबारा टैक्स असेसमेंट की जरूरत है। चिह्नित संपत्तियों की जानकारी संबंधित कार्यपालक पदाधिकारियों को दी जाएगी।



5 से 7 अक्टूबर और दूसरा चरण 8 से 10 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। **घर-घर जाकर चिह्नित होंगी टैक्स से बाहर संपत्तियां:** नगर निगम ने सभी सफाई निरीक्षकों और सेक्टर सुपरवाइजर्स को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर ऐसी संपत्तियों की

नीतीश के लिए गोली खाई, अब पार्टी रहे चाहे जाए: अनंत

एजेंसी, पटना	नहीं है। मैं देखना चाहता हूं कि पार्टी क्या तर्क देकर मुझे मनाती है।’ इधर, नीतीश कुमार के बेटे और स्वास्थ्य मंत्री निशत ने नीरज का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी नीरज को उम्मीदवार बनाया है। वो कर्मठ और समाजवादी नेता हैं। निशताने नीरज कुमार को जीताने की अपील की है। पार्टी नीरज कुमार के साथ है।
लेकिन पार्टी में नीति लड़ तो अब न्याय हो। मैं जब विधानसभा का चुनाव लड़ रहा था तब नीरज ने क्या क्या नहीं किया। तब पार्टी कहाँ थी। अगर नियम है तो सबके लिए बराबर हो। वरना पार्टी रहे या ना रहे। मैं किसी का कर्मचारी नहीं हूं। मैं कोई प्रधानमंत्री थोड़ा बन रहा हूं। राजनीति में कभी कमियां नहीं आया। मैंने आजतक एक लाइसेंस तक नहीं लिया। पार्टी के किसी नेता ने मुझे मनाया	

उमेश कुशवाहा बोले- अनंत गलत कर रहे हैं: इधर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने दावा किया है कि एमएलसी चुनाव में एनडीए की जीत होगी। जब उनसे अनंत सिंह को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व देख रहा है। अनंत सिंह जो कर रहे हैं वो गलत कर रहे हैं। इधर अनंत शनिवार को एक तरफ पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार ने नीरज कुमार को प्रत्याशी का सिंबल सौंपा। नीरज कुमार ने यह तस्वीर अपने सोशल अकाउंट पर डाली। नीरज कुमार ने जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के साथ भी तस्वीर शेयर की। वहीं दूसरी तरफ जदयू विधायक अनंत सिंह पार्टी प्रत्याशी को हरापने के लिए नवादा और नालंदा में प्रचार करते रहे। अनंत ने जनता से ‘जनसुराज’ उम्मीदवार अनुज सिंह को जीताने और नीरज की जमानत जब्त करने की अपील की। इस खुले विद्रोह पर पार्टी चुप होकर सिर्फ अनंत के नॉर्मल होने का इंजॉर कर रही है। पार्टी 15 दिनों से इसी मोड़ में है।

‘अपना घर’ से बच्चा गायब, केयर टेकर ने एसआई के सामने कहा- यहां बच्चों से काम कराया जाता देखभाल में लापरवाही होती

एजेंसी, पटना	पटना के शास्त्रीनगर इलाके में ललित भवन के पीछे स्थित समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित ‘अपना घर’ से 2 अक्टूबर की शाम एक बच्चा गायब हो गया है। बताया जा रहा कि बच्चा छत से लापता हुआ है। मामले की जानकारी मिलने के बाद शास्त्रीनगर थाने की पुलिस सुप्रिटेंडेंट के आवेदन के आधार पर जांच के लिए पहुंची। जांच के दौरान ASI अजीत कुमार ने अपना घर की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वहां तैनात गृह रक्षकों ने बच्चों की देखभाल में लापरवाही का आरोप लगाया।
छोटे-छोटे बच्चों से झाड़ू-पोंछा कराया जाता: एक गृह रक्षक ने बताया कि पोस्टिंग के बाद से वह देख रहा है कि बच्चों की सही तरीके से देखभाल नहीं हो रही है। छोटे-छोटे बच्चों से झाड़ू-पोंछा तक कराया जाता है, जिसका असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। गृह रक्षकों के अनुसार, बच्चों के मेडिकल के लिए एक कमरा है,	

लेकिन वहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। आपात स्थिति से निपटने के लिए भी कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। परिसर के अंदर की व्यवस्था काफी लचर बताई गई है। **अपना घर में चार गृह रक्षकों की तैनाती:** सुरक्षा के लिए अपना घर में चार गृह रक्षकों की तैनाती है, लेकिन उन्हें गेट के अंदर जाने की अनुमति नहीं है। रोस्टर के अनुसार यहां कुल 71 बच्चे हैं, जिनमें 42 दिव्यांग और 29 सामान्य बच्चे शामिल हैं। फिलहाल पुलिस बच्चे की तलाश और पूरे मामले की जांच में जुटी है। बच्चे का अब तक

कोई सुराग नहीं मिला है। सुप्रिटेंडेंट जयप्रकाश का कहना है कि होमगार्ड के जवान को शोर्काज किया गया था। नया नया आया है, उसको नहीं मालूम है। इसीलिए गुस्से में आकर उसने ऐसा बयान दिया है। ऐसी कोई बात नहीं है। बच्चे का नाम पता उजागर नहीं कर सकते हैं। सुप्रिटेंडेंट जयप्रकाश का कहना है कि होमगार्ड के जवान को शोर्काज किया गया था। नया नया आया है, उसको नहीं मालूम है। इसीलिए गुस्से में आकर उसने ऐसा बयान दिया है। ऐसी कोई बात नहीं है। बच्चे का नाम पता उजागर नहीं कर सकते हैं।

‘अगले 6 महीने में बिहार में आएगा भयंकर वित्तीय संकट’

एजेंसी, पटना	बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की बाढ़, फसल नुकसान, बेरोजगारी, महंगाई और कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में किसानों की फसल को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अब तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला। हमने कई बार मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक को पत्र लिखा और बात भी की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तेजस्वी ने आरोप लगाते हुए कहा, ‘चुनाव है तो भाजपा को बिहार के लोग याद आते हैं और चुनाव खत्म होते ही उन्हें भूल जाते हैं।’ हालांकि, सरकार की ओर से किसानों के फसल नुकसान के लिए कृषि इनपुट अनुदान की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। सितंबर में प्रभावित किसानों से आवेदन भी लिए गए थे। तेजस्वी यादव ने कहा, ‘हम लोग शुरू से कह रहे हैं कि भाजपा बिहार के लोगों का भला नहीं चाहती। भाजपा के लोग अपना व्यक्तिगत स्वार्थ और अपना भला चाहते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘आज ही आप लोगों को बता देते हैं कि आने वाले छह महीने में बिहार की स्थिति और भी बदतर होने वाली है। महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और बढ़ता अपराध चरम पर है। जहां केवल अपराधियों का बोलबाला है, आने वाले समय में कानून व्यवस्था और अपराध का ग्राफ और बढ़ेगा।’ तेजस्वी ने कहा कि बिहार में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। जिस हिसाब से भाजपा की सरकार और केंद्र की सरकार महंगाई बढ़ा रही है, उससे लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। आप पूरे देश में देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। प्रधानमंत्री को इसकी फिक्र नहीं है और न बिहार के
लोگوं की फिक्र है। तेजस्वी यादव ने कहा, ‘बाढ़ के समय भी सरकारी खजाने से दीया जलवाया जा रहा है। हर सरकार सोचोगी कि 100 करोड़ से अधिक रुपये केवल दीया जलाने में लगा दिए गए। अगर यही पैसा किसानों को मिल जाता, जिनकी फसल बर्बाद हुई है? कौन सा विकास हो रहा है? जब से सरकार बनी है, एक काम बता दीजिए जो सरकार ने किया हो।’ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का समर्थन करते हुए तेजस्वी ने कहा, ‘खड़गे जी ने कहा है कि देश में अवैध चुनाव हो रहे हैं, अवैध प्रधानमंत्री हैं और अवैध गृह मंत्री हैं। चुनाव में पूरी तरीके से फर्जीवाड़ा हुआ है। इसको लेकर हम लोग बैठक में भी गए थे और बैठक हुई है।’	



तेजस्वी बोले- खजाना खाली है, किसानों को मुआवजा नहीं मिला

संक्षिप्त समाचार

चौकीदारों को एसडीपीओ की सख्त हिदायत
संदिग्ध गतिविधियों पर रखें पैनी नजर



बीएनएम@ शिवहर। नगर थाना परिसर में रविवार को एसडीपीओ अनुशील कुमार के नेतृत्व में चौकीदार परेड का आयोजन किया गया। परेड के दौरान क्षेत्र में अपराध एवं असामाजिक गतिविधियों पर नजर रखने को लेकर चौकीदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।एसडीपीओ अनुशील कुमार ने कहा कि चौकीदार पुलिस और आम जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इसलिए सभी चौकीदार अपने-अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, अपराधिक गतिविधि या अप्रिय घटना की जानकारी मिलने पर बिना देरी किए संबंधित थाना पुलिस को सूचना देाउन्होंने कहा कि समय पर मिलने वाली सूचना से पुलिस को कार्रवाई करने में मदद मिलती है और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में भी सहयोग मिलता है। चौकीदारों से आम लोगों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखने तथा महत्वपूर्ण सूचनाओं को पुलिस तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। वहीं, नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुनील कुमार झा ने भी चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्र से जुड़ी सूचनाएं समय पर पुलिस तक पहुंचाने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहयोग करने का निर्देश दिया।

शव को ठेले पर अस्पताल भेजने के मामले में पुलिस की कार्रवाई, गश्ती पदाधिकारी निलंबित
इयूटी में लापरवाही, अनुशासनहीनता व कर्तव्यहीनता के आरोप में एसपी ने को कार्रवाई, थानाध्यक्ष से भी मांगा स्पष्टीकरण

बीएनएम@ तुरकोलिया। रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के समीप सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ठेले पर अस्पताल भेजने के मामले में पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्यशैली से उपजे आक्रोश और विवाद के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पूर्वी चंपारण ने रघुनाथपुर थाना में तैनात गश्ती पदाधिकारी पीएसआई/585 अंबिका प्रसाद यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं, मामले में रघुनाथपुर थानाध्यक्ष से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बस स्टैंड के समीप हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हादसे के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ठेले पर अस्पताल भेज दिया। पुलिस की इस अमानवीय कार्यशैली को लेकर मृतक के परिजन और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना मिलने पर सदर-1 एसडीपीओ दिलीप कुमार तत्काल मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। उक्त मामले की जांच के दौरान गश्ती वाहन में तैनात पुलिस पदाधिकारी अंबिका प्रसाद यादव की कार्यशैली में इयूटी के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और कर्तव्यहीनता सामने आई। पुलिस प्रशासन ने इसे गंभीर मामला मानते हुए संबंधित पदाधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पुलिस प्रशासन के अनुसार, इस तरह की लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना कार्यशैली से पुलिस की छवि धूमिल होती है तथा आम लोगों के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नकारात्मक संदेश जाता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए गश्ती पदाधिकारी पर कार्रवाई के साथ ही रघुनाथपुर थानाध्यक्ष से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

भलुवहिया तिलावे पुल पर अनियंत्रित कंटेनर का कहर, तीन बाइकों को मारी टक्कर, 4 घायल
एक की हालत नाजुक, डायल 112 ने पहुंचाया अस्पताल

बीएनएम@ रामगढ़वा, विजय कुमार। थाना क्षेत्र के भलुवहिया तिलावे पुल के पास रविवार को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर ने तीन बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस सिलसिलेवार हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें एक की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जाता है कि कंटेनर रक्सौल की ओर से आ रहा था। तिलावे पुल पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और अलग-अलग दिशा से आ रही तीन बाइकों को रौंदते हुए निकल गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर चीख-पुकार मच गई। घायलों की पहचान राजाबाबू कुमार, रघुपति यादव, 5 वर्षीय मुस्कान कुमारी तीनों साकिन राजाभार मझौलिया थाना और सोहन कुमार साकिन कौडीहार चौक, रक्सौल थाना निवासी के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। एसआई मो. जहांगीर ने पुलिस बल के साथ सभी घायलों को रामगढ़वा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल राजाबाबू कुमार को मोतिहारी रेफर कर दिया गया।वही पुलिस इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही कर रही है।

पलनवा थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

»हुड़दंग मचाने वालों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर - थानाध्यक्ष

बीएनएम@ रामगढ़वा

दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रविवार को पलनवा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने की। बैठक में पूजा पंडालों में सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और मेले के शांतिपूर्ण आयोजन पर विस्तृत चर्चा हुई। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि इस बार दुर्गा पूजा के दौरान डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले में हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों से प्रशासन को सहयोग



करने की अपील की, ताकि शांति व्यवस्था बनी रहे। बैठक में मौजूद लोगों से भी आपसी सहयोग से पूजा और मेला को शांतिपूर्वक मनाने का आग्रह किया गया। मौके पर किसान सुबोध

कुमार, मुखिया धीरज कुमार गुप्ता, संजय पांडेय, कृष्ण गुप्ता, रामप्रकाश रौशन, सौरजन यादव, अखिलेश गिरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का समापन चयनित खिलाड़ी मुजफ्फरपुर में दिखाएंगे दम

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026-27 का रविवार को चार दिवसीय आयोजन विभिन्न खेलों के फाइनल मुकाबलों और पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गया। अंतिम दिन खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ी 6, 7, 8 और 9 अक्टूबर को मुजफ्फरपुर में आयोजित प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में पूर्वी चंपारण जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के वार्षिक खेल कार्यक्रम 2026-27 के तहत जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण के निर्देशन में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, कबड्डी, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉलीबॉल, शतरंज, कराटे और साइकिलिंग सहित विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।



प्रतियोगिता के अंतिम दिन बॉक्सिंग के फाइनल मुकाबलों के साथ कबड्डी, कराटे, शतरंज और साइकिलिंग के शेष निर्णायक मुकाबले आयोजित किए गए। जीत हासिल करने वाले खिलाड़ियों को मेडल और

प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान खिलाड़ियों में विशेष उत्साह दिखा। जिला खेल पदाधिकारी विकास कुमार ने पूरे आयोजन की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए प्रतियोगिता

के निष्पक्ष एवं व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित किया। उनके मार्गदर्शन में खेलकर्मियों, तकनीकी पदाधिकारियों, खेल संघों और खेल शिक्षकों ने आपसी समन्वय के साथ प्रतियोगिता को सफल बनाया। अंतिम दिन अरविंद कुमार पांडेय, रमेश कुमार, चितरंजन कुमार और निशा कुमारी सहित खेलकर्मियों की टीम ने खिलाड़ियों के परिणाम, प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का संधारण कर अंतिम पोजीशन तैयार की। इसके आधार पर चयनित खिलाड़ियों को आगामी प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन में विभिन्न खेलों के संयोजकों एवं तकनीकी पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। कबड्डी के संयोजक भानु प्रकाश, बॉक्सिंग के संयोजक पवन सरन, शतरंज के संयोजक धनंजय कुमार और कराटे के संयोजक कुमार जी सहित संबंधित खेल संघों के सचिव, तकनीकी पदाधिकारी एवं खेल शिक्षकों ने अपनी जिम्मेदारियों का

बखूबी निर्वहन किया। आयोजन को सफल बनाने में राजीव कुमार, अरविंद कुमार, शैलेन्द्र मिश्रा 'बाबा', सुनील श्रीवास्तव, मनोज कुमार प्रसाद, अमित कश्यप, रवि कुमार सिंह, अंशु यादव, महमद परवेज आलम, संजय प्रसाद, रश्मि कुमारी, हीरालाल प्रसाद, सर्वोत्तम रंजन, अमित प्रकाश और रितेश कुमार सहित विभिन्न खेलों के शिक्षकों एवं कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा। चार दिवसीय प्रतियोगिता ने जिले के विद्यालयी खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने और बेहतर प्रदर्शन के दम पर आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। अब चयनित खिलाड़ी प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाने के लिए मैदान में उतरेंगे। जिला खेल पदाधिकारी विकास कुमार ने आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों, खेल संघों, खेल शिक्षकों एवं कर्मियों के सामूहिक प्रयास की बदौलत प्रतियोगिता के सफल समापन पर संतोष व्यक्त किया।

दुर्गा पूजा पंडाल का अग्निशमन विभाग ने किया निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के अनुमंडल अग्निशमालय, मोतिहारी अंतर्गत पिपराकोठी में बन रहे भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का जिला अग्निशमन पदाधिकारी, मोतिहारी मो. आरिफुज्जमा के द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंडाल में अग्नि सुरक्षा के उपार्यों, विद्युत व्यवस्था, पंडाल की मजबूती एवं आपातकालीन निकास द्वार (Fire Exit) की गहनता से जाँच की। उन्होंने पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पंडाल में दो अलग-अलग चौड़े निकास द्वार रखे जाएं, पर्याप्त



संख्या में अग्निशमन यंत्र एवं बालू भरी बाल्टियाँ रखी जाएं, बिजली के तारों में ओवरलोडिंग न हो और पंडाल के अंदर धूम्रपान पूरी तरह वर्जित रखा जाए। साथ ही बड़े पंडालों के लिए Fire NOC लेना अनिवार्य बताया गया। इस अवसर पर सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी

सुरेन्द्र सिंह सहित अग्निशमन विभाग के अन्य कर्मी एवं पूजा समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने कहा कि त्योहार को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सभी पूजा समितियों को अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करना होगा।

गायन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनुप्रिया तिवारी एलआईसी द्वारा सम्मानित

»चंपारण की बेटी ने अपनी मधुर आवाज और प्रतिभा से बनाई विशिष्ट पहचान- अनिल वर्मा

बीएनएम@ मोतिहारी

गायन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाली चंपारण की बेटी अनुप्रिया तिवारी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), मोतिहारी शाखा की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एलआईसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनुप्रिया की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलआईसी, मोतिहारी शाखा के मुख्य प्रबंधक दिवाकर



चौधरी ने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम समय-समय पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करता है। अनुप्रिया तिवारी का सम्मान भी इसी पहल की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने अनुप्रिया के सुखद, सफल एवं उज्ज्वल जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर एलआईसी के विकास पदाधिकारी एवं संस्कृतिकर्मी अनिल वर्मा ने कहा कि चंपारण की

बेटी अनुप्रिया तिवारी शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के साथ-साथ आधुनिक गीतों में भी अपनी गायन प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। उनकी मधुर आवाज, भावपूर्ण गायन शैली और संगीत के प्रति अटूट समर्पण ने उन्हें स्थानीय स्तर से लेकर व्यापक सांस्कृतिक मंचों तक विशिष्ट पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि अनुप्रिया की उपलब्धियाँ क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गौरतलब है कि अनुप्रिया तिवारी

वर्ष 2015 में बिहार के शाईनिंग बिहार आइडल की प्रथम विजेता रह चुकी हैं। इसके साथ ही उन्होंने सोनी टीवी के शंकर महादेवन सुपरस्टार सिंगर में बतौर प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। वहीं, वर्ष 2017 में सारेगामा लिटिल चैंप्स में भी उन्होंने अपनी गायन प्रतिभा का परिचय दिया। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करती रही हैं। सम्मान समारोह के दौरान एलआईसी, मोतिहारी शाखा के अधिकारी, कर्मचारी एवं सैकड़ों अधिकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने अनुप्रिया तिवारी को सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी एलआईसी के विकास पदाधिकारी अनिल वर्मा के सहायक सत्यम कुमार ने दी।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए गए निर्देश

बीएनएम@ अरेराज

आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर रविवार को अरेराज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) पंकज कुमार मिश्रा ने की। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधि, पूजा समितियों के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग शामिल हुए। बैठक में पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन तथा प्रतिमा विसर्जन को लेकर आवश्यक निर्धारों पर चर्चा की गई। एसडीपीओ पंकज कुमार मिश्रा ने पूजा समितियों को पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने,



अग्निशमन की समुचित व्यवस्था रखने तथा सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। एसडीपीओ

श्री मिश्रा ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान शहर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, यातायात एवं सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शांति एवं कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की

जाएगी। असामाजिक तत्वों, उपद्रवियों और अफवाह फैलाने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से अप्रवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। वहीं थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी ने भी सुरक्षा तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि पूजा के दौरान नियमित पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। बैठक में नगर अध्यक्ष रंजू पांडेय, नगर उपाध्यक्ष आजाद मियाँ, शुना पांडेय, मनोज दुबे, सुभाष मिश्रा, प्रिंस गुप्ता सहित सभी वार्ड पार्षद एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में सभी सदस्यों ने आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सद्भाव के साथ दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ प्रभावित गांवों में घर-घर पहुंच रही मेडिकल टीम



बीएनएम@ बगहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलजमाव के बीच संभावित बीमारियों की रोकथाम को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पतिलार, बगहा-1 की मेडिकल टीम सक्रिय है। रविवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजेश सिंह नीरज के नेतृत्व में खैरटवा, अगस्तिया, चखनी और बथुवरिया समेत प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य कर्मी एवं आशा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर लोगों की जांच, उपचार और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। जलजमाव वाले क्षेत्रों में संक्रमण एवं जलजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य कर्मियों और आशा कार्यकर्ताओं द्वारा ब्लीचिंग पाउडर एवं चूने का छिड़काव कराया जा रहा है। ग्रामीणों को साफ-सफाई रखने, शुद्ध पेयजल का उपयोग करने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। स्वास्थ्य अभियान की निगरानी को लेकर पीएचसी प्रभारी डॉ. राजेश सिंह नीरज स्वयं प्रतिदिन प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। इस दौरान वे मेडिकल टीम के कार्यों की समीक्षा करने के साथ ग्रामीणों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी ले रहे हैं। बाढ़ की स्थिति के बीच स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से प्रभावित ग्रामीणों को राहत मिल रही है।

डीडीसी ने फुलियाखाड़ में बांध का किया निरीक्षण



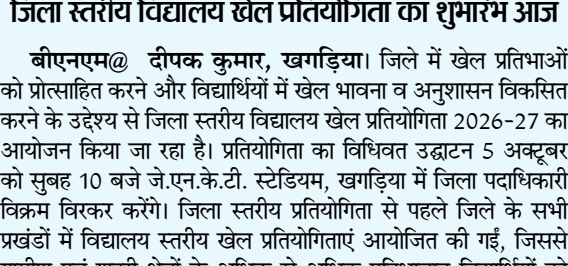
बीएनएम@ पश्चिम चंपारण। जिले में बाढ़ एवं राहत कार्यों की निगरानी को लेकर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने फुलियाखाड़ क्षेत्र में बांध का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बांध की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने राहत कार्यों के तहत संपूर्ति पोर्टल पर की जा रही प्रविष्टियों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कर्मियों से अब तक की गई प्रविष्टियों और कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए राहत से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। साथ ही प्रभावित लोगों से संबंधित आवश्यक आंकड़ों एवं विवरणों की पोर्टल पर प्रविष्टि में तेजी लाने को कहा, ताकि जरूरतमंदों तक राहत का लाभ समय पर पहुंचाया जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

जिउतिया पर एसडीएम ने शिवालय में की पूजा



बीएनएम@ बगहा। जीवितपुत्रिका (जिउतिया) पर्व के पावन अवसर पर बगहा की अनुमंडल पदाधिकारी चांदनी कुमारी ने शनिवार शाम स्थानीय शिवालय पहुंचकर भगवान महादेव की विभिन्न प्रजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने बगहा अनुमंडल क्षेत्र की सभी माताओं एवं बहनों को जिउतिया पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। पूजा-अर्चना के बाद एसडीएम ने कहा कि जिउतिया पर्व भारतीय संस्कृति में मातृशक्ति के सम्पूर्ण, त्याग, संयम और वात्सल्य का प्रतीक है। माताएं अपने बच्चों की दीर्घायु, स्वस्थ जीवन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के लिए निर्जला उपवास रखकर यह कठिन व्रत श्रद्धा और निष्ठा से करती हैं। उन्होंने भगवान महादेव से अनुमंडल की सभी माताओं के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि सभी संतानें स्वस्थ और दीर्घायु हों तथा अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ें। इस अवसर पर उन्होंने अनुमंडलवासियों से आपसी सौहार्द, शांति, स्वच्छता और पारंपरिक श्रद्धा-भाव के साथ पर्व मनाने की अपील की।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज



बीएनएम@ दीपक कुमार, खगड़िया। जिले में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विद्यार्थियों में खेल भावना व अनुशासन विकसित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन 5 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जे.एन.के.टी. स्टेडियम, खाड़िया में जिला पदाधिकारी विक्रम विस्कर करेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से पहले जिले के सभी प्रखंडों में विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अधिक से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों को जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। प्रतियोगिता में विभिन्न इंडोर एवं आउटडोर खेल विधाओं में छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। प्रमुख आयोजन स्थलों में जे.एन.के.टी. स्टेडियम, रेलवे ग्राउंड मानसी, इंडोर स्टेडियम और खेल भवन खाड़िया शामिल हैं। जिला प्रशासन की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर खेल मैदान, आवश्यक सामग्री, व्यवस्थित प्रतियोगिता व्यवस्था और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को चिह्नित कर उन्हें उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में शिक्षा विभाग, जिला खेल कार्यालय, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, विद्यालयों और खेल प्रशिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन ने विद्यालयों, खिलाड़ियों, खेल शिक्षकों और अभिभावकों से प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी कर जिले में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की अपील की है।

बीएमपी परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया



बीएनएम@ कटिहार। भारत स्काउट एवं गाइड जिला मुख्यालय ग्रुप कटिहार तथा एसोसिएशन ऑफ टॉप अचीवर स्काउट के सदस्यों ने नगर निगम कटिहार के सोजन्य से स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत बीएमपी, मिरचाईबाड़ी घाट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्काउट के बच्चों ने घाट परिसर की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में मेयर उषा देवी अग्रवाल, जिला संगठन आयुक्त सह अटॉस सदस्य राम बाबू, जिला अटॉस समन्वयक राजेश कुमार वर्मा एवं संजय कुमार सिंह, वार्ड पार्षद आलोक वर्मा, निक्कू सिंह, प्रमोद महतो सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। स्वच्छता अभियान में स्काउट सदस्य नवीर कुमार, सौरव कुमार, तिलक कुमार और अजय कुमार ने सक्रिय सहयोग दिया।

बगहा पुलिस की कार्रवाई में 22 वारंटी गिरफ्तार



बीएनएम@ बगहा। अपराध नियंत्रण, शराबबंदी कानून के अनुपालन और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर बगहा पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विभिन्न थानों में हुई कार्रवाई की जानकारी दी। अभियान के दौरान 22 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 32 वारंट और एक कुर्की का निष्पादन किया गया। पुलिस ने शराब की बरामदगी के साथ वाहन जांच अभियान भी चलाया। नदी थाना पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत 7.2 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की। धनहं थाना पुलिस ने समसाद अंसारी को गिरफ्तार कर उसके पास से 9.015 लीटर अंग्रेजी

शराब और एक मोटरसाइकिल बरामद की। लौकरिया थाना पुलिस ने लालजी उरांव और रामसेवक उरांव को वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया तथा 11 लीटर चुलाई शराब बरामद की। रामनगर थाना पुलिस ने अभिनव कुमार राम और खुरसीद आलम को गिरफ्तार किया। धितहं थाना पुलिस ने रघु मुसहर, बिदू मुसहर और दुर्गेश

मुसहर को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। नौरंगिया थाना पुलिस ने हरेन्द्र शर्मा एवं विजय मुसहर तथा सेमरा थाना पुलिस ने विनोद सिंह को गिरफ्तार किया, जिन्हें रिमॉल के आधार पर मुक्त किया गया। चिउटाहां थाना पुलिस ने सुरेन्द्र बोन और त्रिवेणी चौधरी, पटखौली थाना पुलिस ने फरियाद अंसारी, सुल्मान अंसारी, असगर अंसारी, राहुल

चकदहवा में पहुंची मेडिकल टीम, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव



बीएनएम@ बगहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बगहा-2 स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता लगातार जारी है। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरनाटांड, बगहा-2 के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. के.बी. एन. सिंह के नेतृत्व में विशेष मेडिकल टीम दुर्गम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र चकदहवा पहुंची। टीम ने प्रभावित क्षेत्र में लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली, आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराईं तथा दवाओं का वितरण किया। पीएचसी प्रभारी डॉ. के.बी. एन. सिंह ने बताया कि बाढ़ एवं जलजमाव के कारण दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे क्षेत्रों में मेडिकल टीम भेजकर लोगों को स्वास्थ्य

सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। टीम द्वारा ग्रामीणों को बाढ़ के दौरान होने वाली संभावित बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी भी दी जा रही है। वहीं, संक्रमण एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर बगहा अनुमंडल परिसर, बगहा-2 में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बाढ़ प्रभावित इलाकों में साफ-सफाई और संक्रमण की रोकथाम पर विशेष जोर दिया जा रहा है। लोगों से

आसपास स्वच्छता बनाए रखने, दूषित पानी के सेवन से बचने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य कर्मियों अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की गई है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम बाढ़ प्रभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों में लगातार निगरानी बनाए हुए है, ताकि लोगों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ संक्रमण एवं महामारी की संभावनाओं को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।

बाढ़ में आंगनबाड़ी के अभिलेख नष्ट



बीएनएम@ केसरिया(पूर्वी चंपारण)। जिले के केसरिया प्रखंड क्षेत्र में आई बाढ़ का असर सरकारी संस्थानों पर भी पड़ा है। ढेकहॉ पंचायत के वार्ड संख्या-9 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-109 में बाढ़ का पानी घुसने से वहां रखे आवश्यक कागजात और अभिलेख भीगकर खराब हो गए। इससे केंद्र के संचालन से जुड़े दस्तावेजों को लेकर सेविका के समक्ष परेशानी उत्पन्न हो गई है। आंगनबाड़ी सेविका पुष्पा देवी ने बताया कि बाढ़ का पानी अचानक केंद्र में प्रवेश कर गया, जिससे वहां रखे सभी कागजात भीग गए और कई अभिलेख उपयोग के लायक नहीं रहे। उन्होंने अभिलेखों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन पानी अधिक होने के कारण उन्हें सुरक्षित नहीं रखा जा सका। सेविका ने पूरे मामले की जानकारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) को दे दी है। उन्होंने विभाग से आवश्यक दिशा-निर्देश और अभिलेखों के संबंध में उचित कार्रवाई की मांग की है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद केंद्र की साफ-सफाई और क्षतिग्रस्त सामान का आकलन किया जाएगा।

डबल इंजन सरकार ने नहीं जाना बाढ़ पीड़ितों का हाल : पप्पू यादव



गंडक नदी के उफान से आई बाढ़ के कारण नौतन प्रखंड में मची तबाही के बीच रविवार को सांसद पप्पू यादव बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उनका हाल जाना। उनके साथ कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष अमित गिरी और नौतन प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मैनुदीन मंसूरी उर्फ गुड्डू भी मौजूद रहे। सांसद ने बारियारपुर और विशंभरपुर होते हुए मंगलपुर बांध पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उनके पहुंचने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक मौके पर जुट गए। इसके बाद सांसद फुलियाखांड क्षेत्र में पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने राहत सामग्री, भोजन, तिरपाल और पशु चारा सहित विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान पप्पू यादव ने डबल इंजन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि सरकार और संबंधित विभाग तटबंधों की सुरक्षा को लेकर गंभीर रहते तो लोगों को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में तटबंधों की मजबूती और सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता था तथा निगरानी के लिए चौकीदार तक तैनात रहते थे, लेकिन वर्तमान में व्यवस्था बدهाल

7 अक्टूबर को जुटेगा इंडिया गठबंधन



लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को बेतिया के शहीद पार्क से रैली निकाली जाएगी, जो समाहरणालय पहुंचकर सभी में तब्दील होगी। सभी के माध्यम से केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर विरोध दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार और बंगाल में हुए चुनावों को लेकर भी गठबंधन अपनी आवाज बुलंद करेगा तथा पुनः चुनाव कराने की मांग उठाई जाएगी। बैठक में आगामी

नरकटियागंज प्रखंड के चांदपुर स्थित कादीर अंसारी के आवास पर रविवार को इंडिया गठबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष कादीर अंसारी ने की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों और चुनाव आयोग के खिलाफ प्रस्तावित अभियान को लेकर रणनीति पर चर्चा की गई। राजद प्रकाट प्रभु यादव ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन की ओर से 2 से 8 अक्टूबर तक 'लोकतंत्र बचाओ माच' अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभियान को नरकटियागंज के साथ ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाकर अधिक से अधिक

1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर भी रणनीति बनाई गई। इस दौरान राजद के वरिय नेता इफतेखार अहमद उर्फ मुन्ना त्यागी, जिला अध्यक्ष साहेब हुसैन अंसारी, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन लाल, नजरे आलम, केदार राम, बंजेश चौबे, सदरे आलम कुरैशी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तिरहुत मिरर

हड़बोड़ा नदी के कटाव से शेरहवा-पिपरा पर संकट



बीएनएम@ पश्चिम चंपारण। धूमनगर पंचायत के शेरहवा-पिपरा गांव में हड़बोड़ा नदी के लगातार बढ़ते कटाव से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। तेज बहाव के कारण नदी आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि को लगातार अपनी धारा में समेट रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कटाव पर रोक नहीं लगाई गई तो गांव चारों तरफ से पानी से घिरकर टापू में तब्दील हो सकता है। नदी के कटाव से अब करीब 100 एकड़ कृषि भूमि पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ समय में कई

एकड़ उपजाऊ खेत नदी में समा चुके हैं, जिससे किसानों के सामने अपनी जमीन और फसल बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। कटाव का दायरा लगातार बढ़ने से अब गांव की ओर भी खतरा बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कटावरोधी कार्य तेज कराने, संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के इंतजाम करने तथा गांव और कृषि भूमि को बचाने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नदी की धारा को नियंत्रित करने के लिए टोस पहल नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बॉर्डर पर वाहनों की रोक के विरोध में प्रदर्शन



ने इनरवा बॉर्डर पर छोटी भंसार की व्यवस्था शुरू करने की भी मांग की। उनका कहना था कि इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के छोटे कारोबारियों, दुकानदारों और आम लोगों को राहत मिलेगी। प्रदर्शनकारियों ने बॉर्डर पर टेंट लगाकर धरना भी शुरू कर दिया। टायर जलाकर सड़क जाम किए जाने से राहगीरों और यात्रियों को भी परेशानी हुई। प्रदर्शन में किसमोहन प्रसाद यादव, अमिरका कुर्मी, परशुराम, ज्याउलहोदा, नुरआलम गद्दी, हाफी गद्दी, भरत सिंह क्षेत्री, करिसमोहन साह, घेतमन गद्दी, आसमहमद गद्दी, रोजदीन गद्दी, नेजामुद्दीन मियां, नसुरल्लाह मियां, सोनेलाल चौरसिया, ओमप्रकाश,

श्रीराम-जानकी मंदिर के विकास की बनी रणनीति



के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। बैठक में मंदिर परिसर को अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बनाने के लिए कई सुझाव दिए गए। साथ ही भविष्य में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित लोगों ने मंदिर के विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने तथा इसके लिए आपसी सहयोग और सहभागिता सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। बैठक में प्रदीप दुबे, अखिलेश पाण्डेय, अमित वर्मा, सत्यनारायण दास समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नहाने गए 8 वर्षीय छोटू की डूबने से मौत



को घटना की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने नदी में बांस और रस्सी के सहारे करीब तीन घंटे तक तलाश की, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। घटना की सूचना पर डायल-112 की टीम भी मौके पर पहुंची। गौनाहा के सीओ रणधीर कुमार और आरओ दीपक कुमार राम ने घटनास्थल का जायजा लिया। ग्रामीणों के अनुसार, बाद में एसडीआरएफ की टीम ने भी पहुंचकर नदी के विभिन्न हिस्सों में

विश्ववत्यापी परिणाम होंगे

दुनिया में लगभग एक तिहाई ऊर्जा एवं अन्य जरूरी चीजों का नौवहन होरमुज और बाब-ए-मंदब जलमार्गों से होता है। यानी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के नौवहन पर ईरान और अंसारुल्लाह ने लगभग निर्णायक प्रभाव जमा लिया है। यमन में अंसारुल्लाह (हूती) की ताजा कामयाबियों ने पूरे खाड़ी क्षेत्र के समीकरण में बड़ा बदलाव ला दिया है। सऊदी अरब समर्थित कथित अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार से अंसारुल्लाह बागियों ने यमन के पूरे लाल सागर तट और बाब-अल मंदब जलडमरूमध्य को छीन लिया है। यानी अब यमन के पश्चिमी तटीय इलाकों और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीपों- मैयून/ पैरिम, हानीश द्वीप समूह, जुकार आदि पर अंसारुल्लाह का नियंत्रण है। अंसारुल्लाह ईरान के सहयोगी हैं। उनके बाब-अल-मंदब तट तक पहुंच जाने का उस क्षेत्र के शक्ति संतुलन पर दूरगामी असर होगा। दुनिया में लगभग एक तिहाई ऊर्जा एवं अन्य जरूरी चीजों का नौवहन होरमुज और बाब-अल-मंदब जलमार्गों से होता है।

होरमुज पर ईरान ने पहले से अपना नियंत्रण कायम कर रखा है। इस तरह कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के नौवहन पर ईरान और अंसारुल्लाह ने एक तरह से निर्णायक प्रभाव जमा लिया है। इस बीच अंसारुल्लाह ने सऊदी अरब के ऊर्जा टिकानों पर भीषण हमते किए हैं। इससे सऊदी अरब से कच्चे तेल का निर्यात बेहद बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यही वजह है कि इस समय पूरी दुनिया में कच्चे तेल की कीमत में फिर से तेज उछाल आया है। यमन लंबे समय से गृह युद्ध का शिकार है। 2011 के बाद से वहां कुछ इलाकों पर अंसारुल्लाह का कब्जा रहा, जबकि कुछ इलाकों पर सऊदी अरब और यूएई समर्थक ताकतें काबिज रहीं। बीते जनवरी में सऊदी फौज ने यूएई समर्थकों को खेदु दिया। अब अंसारुल्लाह ने सऊदी हथियारों से रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इलाके छीन लिए हैं। वे सारा घटनाक्रम पश्चिम एशिया में अमेरिका की कमजोर पड़ी स्थिति का परिणाम है। मार्च 2025 में अंसारुल्लाह को परास्त करने के लिए अमेरिका ने यमन पर बमबारी की, लेकिन बाद उसने युद्धविराम कर लिया। खबरों के मुताबिक अंसारुल्लाह के ताजा हमलों के मद्देनजर सऊदी युवराज मोहम्मद-बिन-सलमान ने डॉनल्ड ट्रंप से दो बार दखल देने की गुजारिश की, जिसकी उन्होंने अनदेखी कर दी। इन घटनाओं का सीधा संदेश है कि पश्चिम एशिया में ईरान और उसके सहयोगियों ने प्रभावशाली पकड़ बना ली है। इस घटनाक्रम के विश्वव्यापी परिणाम होंगे।

जंगल की महक से बाजार की पहचान तक पहुंचा महुआ

कलेक्टर अभिजीत सिंह

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर में महुआ को मिल रहा नया स्वरूप, जशप्योर और जय जंगल के प्रयासों से जनजातीय परिवारों एवं महिला स्वसहायता समूहों के लिए आजीविका की नई संभावनाएं कभी जंगलों में सहज रूप से मिलने वाली वन उपज और पारंपरिक उपयोग तक सीमित महुआ आज नए रूप, नई पहचान और नई संभावनाओं के साथ बाजार तक पहुंच रहा है। जशपुर में महुआ को केवल वन उपज के रूप में नहीं, बल्कि खाद्य नवाचार, मूल्य संवर्धन, अनुसंधान और जनजातीय आजीविका के अवसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्थानीय संसाधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों ने महुआ की पहचान को नई ऊंचाई दी है।

इसी बदलाव की झलक रायपुर के साईंसकॉलेज ग्राउंड में आयोजित 14वें इंडियाइंडस्ट्रियल फेयर में देखने को मिली, जहां जशप्योर और जय जंगल के स्टॉल पर जशपुर के महुआ आधारित उत्पादों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। 18 से 20 सितंबर तक आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने महुआ से तैयार विभिन्न खाद्य उत्पादों को देखा, उनके बारे में जानकारी ली और उनकी गुणवत्ता, स्वाद तथा आधुनिक पैकेजिंग की सराहना की।

महुआ की बदली तस्वीर, पारंपरिक वन उपज से आधुनिक फूड प्रोडक्ट तक महुआ का नाम सुनते ही लंबे समय तक लोगों के मन में इसकी पारंपरिक उपयोगिता की ही तस्वीर उभरती रही।

जशपुर में इसी धारणा को बदलते हुए महुआ को आधुनिक खाद्य उत्पादों के रूप में विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है। अब महुआ केवल जंगल से संग्रहित होने वाली वन उपज नहीं, बल्कि प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन के जरिए बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने वाला उत्पाद बन रहा है। इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर के हॉल नंबर-3 के स्टॉल नंबर 4 एवं 5 पर महुआ नेक्टर, महुआ नेक्टर गोल्ड, वन्यप्राश, महुआ एनर्जी पाचक, महुआ टी, महुआ आधारित कुकीज, रागी-महुआ उत्पाद, महुआ लड्डू और फूड-ग्रेड महुआ फूल सहित अनेक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। उत्पादों की विविधता के साथ उनका आकर्षक पैकेजिंग और आधुनिक प्रस्तुति ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर किया कि जंगलों से मिलने वाला पारंपरिक महुआ आधुनिक खाद्य बाजार में इतने नए रूपों में भी अपनी जगह बना सकता है। कई आगंतुकों ने पहली बार महुआ को इतने विविध खाद्य स्वरूपों में देखा। उत्पादों की प्रस्तुति और स्वाद ने यह संदेश दिया कि यदि स्थानीय संसाधनों को उचित तकनीक, गुणवत्ता और बाजार की समझ के साथ जोड़ा जाए, तो ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की पारंपरिक उपज भी व्यापक बाजार तक पहुंच सकती है।

जशप्योर बना स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन का माध्यम: जशपुर की पहचान केवल अपने जंगलों और प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि यहां के लोगों के पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय संसाधनों से भी जुड़ी है। इसी स्थानीय ताकत को आर्थिक अवसरों में बदलने की दिशा में जशप्योर के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन, स्थानीय समुदाय, महिला समूहों,



उत्पादक संस्थाओं और तकनीकी संस्थानों के साझा प्रयासों से महुआ सहित स्थानीय वन उपज के संग्रहण, प्रसंस्करण, उत्पाद विकास और बाजार से जुड़ाव पर काम हो रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों को स्थानीय स्तर पर ही अधिक मूल्यवान बनाना और उनसे जुड़े परिवारों के लिए बेहतर अनुसंधान एवं प्रयोग किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का व्यापक उद्देश्य महुआ की गुणवत्ता और बाजार मूल्य बढ़ाने के साथ इससे जुड़े जनजातीय परिवारों और महिला स्वसहायता समूहों के लिए आय के नए अवसर तैयार करना है। जब जंगल में संग्रहित होने वाली उपज को वैज्ञानिक तरीके से तैयार कर बाजार तक पहुंचाया जाता है, तो उसका लाभ केवल अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी मूल्य श्रृंखला से जुड़े लोगों तक पहुंचाने की संभावना बनती है।

पेड़ से बाजार तक तैयार हो रही पूरी वैल्यू चेन: महुआ की कहानी केवल उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे पेड़ से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने का प्रयास है। स्वच्छ और फूड-ग्रेड संग्रहण से लेकर डिहाइड्रेशन, प्रसंस्करण,

अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, उत्पाद विकास, पैकेजिंग और मार्केटिंग तक प्रत्येक चरण को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। जिला प्रशासन जशपुर के सहयोग से संचालित में महुआ के खाद्य उपयोग, नए उत्पादों, फूड-ग्रेड कलेक्शन, डिहाइड्रेशन और प्रसंस्करण तकनीक सहित विभिन्न पहलुओं पर प्रक्रियाओं को अपनाया गया है और किस प्रकार पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक फूड प्रोसेसिंग से जोड़ा जा रहा है। यह तस्वीर जशपुर में हो रहे बदलाव का एक महत्वपूर्ण कड़ी है—जहां जंगल से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान अब आधुनिक उत्पाद विकास और बाजार की जरूरतों के साथ जुड़ रहा है। अनुसंधान से पोषण की नई संभावनाओं की तलाश महुआ के खाद्य उपयोग के विस्तार के साथ इसके पोषण संबंधी पहलुओं पर भी अनुसंधान की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जय जंगल के निदेशक समर्थ जैन ने बताया कि ग्राहकों से महुआ के सेवन के बाद आयरन और हीमोग्लोबिन



इंडस्ट्रियल फेयर में जशप्योर एवं जय जंगल के स्टॉल का प्रतिनिधित्व जशपुर की अनेश्वरी भगत और गणपति बाई कर रही थीं। वे आगंतुकों को केवल उत्पादों की जानकारी ही नहीं दे रही थीं, बल्कि यह भी बता रही थीं कि महुआ का संग्रहण किस तरह किया जाता है, उसे फूड-ग्रेड बनाने के लिए किन प्रक्रियाओं को अपनाया गया है और किस प्रकार पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक फूड प्रोसेसिंग से जोड़ा जा रहा है। यह तस्वीर जशपुर में हो रहे बदलाव का एक महत्वपूर्ण कड़ी है—जहां जंगल से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान अब आधुनिक उत्पाद विकास और बाजार की जरूरतों के साथ जुड़ रहा है। अनुसंधान से पोषण की नई संभावनाओं की तलाश महुआ के खाद्य उपयोग के विस्तार के साथ इसके पोषण संबंधी पहलुओं पर भी अनुसंधान की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं। जय जंगल के निदेशक समर्थ जैन ने बताया कि ग्राहकों से महुआ के सेवन के बाद आयरन और हीमोग्लोबिन

से जुड़े सकारात्मक अनुभवों की बातें सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों को वैज्ञानिक रूप से समझना जरूरी है और महुआ में आयरन की मात्रा के साथ शरीर में उसकी उपलब्धता एवं उपयोगिता का व्यवस्थित अध्ययन अगला महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यदि वैज्ञानिक अध्ययन इन अनुभवों के पीछे ठोस आधार स्थापित करते हैं, तो महुआ पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण वन उपज के रूप में नई संभावनाएं प्रस्तुत कर सकता है। उनका प्रयास जशपुर के जंगलों में उपलब्ध इस वन उपज को अनुसंधान, बेहतर प्रसंस्करण और नए उत्पादों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाना है।

जशपुर के जंगलों से देश-दुनिया तक पहुंचने की राह: 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में जशपुर के महुआ उत्पादों को मिली प्रतिक्रिया केवल किसी एक उत्पाद की लोकप्रियता की कहानी नहीं है। यह उस बदलाव की कहानी है जिसमें स्थानीय संसाधन, जनजातीय परंपरा, महिला समूहों की भागीदारी, प्रशासनिक सहयोग, तकनीकी ज्ञान और उद्यमिता एक साथ आकर नई आर्थिक संभावनाओं का निर्माण कर रहे हैं। जशपुर का महुआ अब जंगलों में बिखरी वन संपदा भर नहीं है। यह स्थानीय ज्ञान, मेहनत और नवाचार के साथ अनेक नए उत्पाद के रूप में आगे बढ़ रहा है, जो जनजातीय परिवारों और महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों का माध्यम बन सकता है। जशपुर के जंगलों से निकलकर महुआ अब बाजार की नई भाषा बोल रहा है—स्थायी संसाधन से मूल्य संवर्धन, पारंपरिक ज्ञान से नवाचार और वन उपज से आजीविका तक। यही बदलाव जशपुर के महुआ को नई पहचान दे रहा है।

बढ़ती उम्र नहीं, घटती संवेदना है बुजुर्गों की असली पीड़ा

वोगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में सदा से ही बड़ों के आदर-सम्मान की परम्परा रही है लेकिन आज दुनिया के अन्य देशों सहित हमारे देश में भी वृद्धजनों पर बढ़ते अत्याचारों की खबरें समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। अधिकांश परिवारों में वृद्ध जिस तरह की उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं, उससे ज्यादा पीड़ादायक और ब्या हो सकता है! समृद्ध परिवार होने के बावजूद घर के बुजुर्ग वृद्धाश्रमों में जीवनयापन करने को विवश हैं। बहुत से मामलों में बच्चे ही उन्हें बोझ मानकर वृद्धाश्रमों में छोड़ आते देते हैं। हालांकि यह उम्र का ऐसा पड़ाव होता है, जब उन्हें परिवजनों के अनेकन, प्यार और सम्मान की सर्वाधिक जरूरत होती है। एक व्यक्ति जिस घर-परिवार को बनाने में अपनी पूरी जिंदगी खपा देता है, वृद्धावस्था में जब उस घर में उसे अवांछित वस्तु के रूप में देखा जाने लगता है तो लगता है जैसे उस घर में रहने वालों की इंसानियत और उनके संस्कार मर चुके हैं। विश्वभर में ऐसे हालात को देखते हुए ही वृद्धजनों के

लिए कुछ कल्याणकारी कदम उठाने की जरूरत महसूस हुई थी। इसीलिए वर्ष 1982 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ‘वृद्धावस्था को सुखी बनाएँ’ जैसा नारा देते हुए ‘सबके लिए स्वास्थ्य’ अभियान का शुरु किया था। वृद्धों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता व उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा, उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र के लिए प्रतिवर्ष एक अक्टूबर का दिन दुनियाभर में ‘अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस’ के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की इस पहल के बाद एक अक्टूबर 1991 को पहली बार यह दिवस मनाया गया, जिसे ‘अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस’ के नाम से भी जाना जाता है। बुजुर्गों के प्रति वैसे तो सभी के हृदय में हर पल, हर दिन सम्मान का भाव होना चाहिए लेकिन दिल में छिपे इस सम्मान को व्यक्त करने के लिए औपचारिक तौर पर यह दिन निश्चित किया गया। 1991 में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत के बाद

वर्ष 1999 को पहली बार ‘बुजुर्ग वर्ष’ के रूप में भी मनाया गया था। इस वर्ष ‘अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस’ ‘दीर्घायु का युग: लंबे जीवन के लिए प्रणालियाँ पर पुनर्विचार’ विषय के साथ मनाया जा रहा है। भारतीय समाज में संयुक्त परिवार को हमेशा से अहमियत दी गई है लेकिन आज के बदलते परिवेश में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की अवधारणा खत्म होती जा रही है। यही कारण है कि लोग अपने बुजुर्गों से दूर होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित होती जा रही है। एकल परिवार के बढ़ते चलन के कारण ही परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा होने लगी है। न चाहते हुए भी बुजुर्ग अकेले रहने को मजबूर हैं। इसका एक गंभीर परिणाम यह देखने को मिला है कि बुजुर्गों के प्रति अपराध भी तेजी से बढ़े हैं। शहरों-महानगरों में आए दिन बुजुर्गों की निशाना बनाए जाने की खबरें दहला देती हैं। दूसरा गंभीर परिणाम यह कि बच्चों की बड़े-बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनके जीवन में नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। एक सर्वे के अनुसार दादा-दादी या नाना-नानी

के साथ रहने वाले बच्चों का विकास अकेले रहने वाले बच्चों की तुलना में कहीं ज्यादा अच्छा और मजबूत होता है और ऐसे बच्चों में आत्मविश्वास भी अधिक देखने को मिला है। आज पति-पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं, ऐसे में बच्चे घर में अकेले रहते हैं और कम उम्र में ही उनमें अवसाद जैसी समस्याएं पनपने लगती हैं। वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने हालांकि वर्ष 1999 में एक राष्ट्रीय नीति बनाई थी तथा उससे पहले वर्ष 2007 में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक भी संसद में पारित किया गया था, जिसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा का प्रावधान था लेकिन इसके बावजूद देशभर में वृद्धाश्रमों में बढ़ती संख्या इस तथ्य को द्धमित करती है कि भारतीय समाज में वृद्धों को उपेक्षित किया जा रहा है। कुछ समय पहले 96 देशों में कराए गए एक सर्वे के बाद ‘लोलबाल एज वॉच इंडेक्स’ जारी किया गया था। उस सूचकांक के मुताबिक

करीब 44 फीसदी बुजुर्गों का मानना था कि उनके साथ सार्वजनिक स्थानों पर दुर्व्यवहार किया जाता है जबकि 53 फीसदी बुजुर्गों का कहना था कि समाज उनके साथ भेदभाव करता है। भारतीय संस्कृति में जन्म देने वाली माँ और पालन करने वाले पिता का स्थान ईश्वर से भी ऊंचा माना गया है। सदियों से मान्यता रही है कि जिन घरों में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वे तीर्थस्थल से कम नहीं होते। ऐसे में वृद्धों के उन्पीड़न और उपेक्षा की घटनाएं बढ़ना गंभीर संकेत का संकेत है। दरअसल वृद्धावस्था हर व्यक्ति का जीवन का एक पड़ाव है। यदि आज हम अपने बुजुर्गों की उपेक्षा करते हैं तो आने वाले समय में हमें भी अपने बच्चों से कोई अच्छी उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए। वृद्धावस्था में बुजुर्ग शारीरिक रूप से शिथिल भी हो जाएं तो परिवजनों का कर्त्तव्य है कि पूरे सम्मान के साथ उनका ध्यान रखा जाए। वृद्धावस्था में शारीरिक स्थिति में बदलव आना सामान्य बात है। बुजुर्गों में उच्च रक्तचाप, मधुमेह, यादश्चर कमजोर पड़ने, भूलने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं लेकिन दवाओं के

साथ-साथ परिवजनों के अच्छे व्यवहार की मदद से ऐसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। आर्थिक समस्या से जुझते वृद्धों के लिए लगभग सभी पश्चिमी देशों में पेंशॉन पेंशन की व्यवस्था है। भारत में भी वृद्धावस्था पेंशन की सुविधा है लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा अकेलेपन की जो समस्या है, उसका इलाज नहीं है। यह अकेलापन वृद्धजनों को भीतर ही भीतर सालता रहता है। हालांकि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वर्गों के लोगों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय निश्चित रूप से वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएगा और इससे देश में करीब साढ़े चार करोड़ परिवारों को लाभ होने की उम्मीद है लेकिन बुजुर्गों के मामले में कई बार चिंताजनक स्थिति यह होती है कि बीमारी के समय में भी सांत्वना देने वाला उनका कोई अपना उनके पास नहीं होता।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और ‘सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति’ सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

आज़ाद भारत के इतिहास में चुनाव आयोग का निकृष्टतम दौर

निर्मल रानी

1990-1996 के दौर में भारत के 10 वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे टी. एन. शेषन। इनकी छवि भारतीय इतिहास में एक निडर, कड़क और क्रांतिकारी सुधारक की थी। शेषन ने भारतीय चुनाव प्रणाली की पूरी सूत्र बदल दी और राजनैतियों के मन में कानून का खौफ पैदा किया। उनके दौर में एक कहावत प्रचलित थी कि नेता केवल दो ही लोगों से डरते हैं। एक तो ईश्वर से दूसरे टी.एन. शेषन से। शेषन ने संविधान के अनुच्छेद 324 की ताकत को पहचाना और साबित किया कि चुनाव आयोग भारत सरकार का नहीं, बल्कि भारत का होता है। उन्होंने आयोग को एक पूर्णतः स्वतंत्र और शक्तिशाली स्वायत्त निकाय बनाया और आदर्श आचार संहिता को कड़ाई से लागू करते हुये कई प्रभावशाली मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों तक के प्रचार पर रोक लगा दी और कड़े दंड दिए। शेषन ने बृथ कैचरिंग , जाली वोटिंग, दीवारों पर जबरन पोस्टर चिपकाना और लाउडस्पीकरों का बेधड़क इस्तेमाल आदि पर सख्ती से प्रतिबंध लगाया। उन्होंने चुनाव प्रचार के खर्च की सीमा तय की और उसका हिसाब मांगना शुरू किया। शेषन ने ही चुनावों

में सरकारी गाड़ियों, बंगलों और मशीनरी के दुरुपयोग पर पूरी तरह रोक लगाई। वे किसी भी राजनीतिक दबाव के आगे नहीं झुके। और चुनावी भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके इसी महाअभियान के लिए उन्हे 1996 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

परन्तु दु:खद है कि वही चुनाव आयोग आज के दौर का सबसे निकृष्ट,भ्रष्ट और सत्ता के चापलूस व कठपुतली आयोग के रूप में देश व दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के प्रमाणण दर्जनों शिकायत के बावजूद दर्जनों के काणों पर जू तय नहीं रंगती। असली मतदाताओं के नाम काटे जाने व फ़र्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने की अनगिनत शिकायतें होती रहती हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी, फ़र्जी मतदान और वोट चोरी के आरोपों को लेकर तीन बार पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया और ठोस दस्तावेजों के साथ देश के सामने सबूत पेश किए। परन्तु हर बार एक तरफ़ तो चुनाव आयोग द्वारा या तो आरोपों से इंकार किया गया या लीपापोती करने वाले जवाब दिए गये। हैरत की बात तो यह है कि जब जब चुनाव आयोग



कि नीयत व उसकी कार्यशैली पर ऊँगली उठती चुनाव आयोग के पक्ष में सत्ता के नेता या भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मोर्चा संभाल लेते। पिछले दिनों जब राहुल गाँधी द्वारा मुद्दा चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी, मैच-फिक्सिंग और देशद्रोही जैसे गंभीर आरोप लगाये गये और उन्हें सरकारी गवाह बनने की सलाह दी गयी, इससे तिलमिलाने भाजपा प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि राहुल गांधी का राजनीतिक ज्ञान अत्यंत शून्य है और उन्हें भारत की राजनीति का मूलभूत ज्ञान ही नहीं है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है, वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं और उनका विवेक पूरी तरह शून्य है। भाजपा प्रवक्ताओं ने यह भी आरोप

लगाया कि कांग्रेस सत्ता पाने के लिए छद्मपटा रही है और अपनी चुनावी हार का ठीकरा फोड़ने के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। परन्तु इस बार मामला चुनाव आयोग द्वारा चलायी गयी एसआईआर अर्थात विशेष मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में की जा रही थीरों धांधली का है और इस प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले केवल राहुल गांधी या विपक्षी दल व नेता ही नहीं बल्कि कई पूर्व चुनाव आयुक्त व नौकरशाह भी हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव व केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा के ही नेता आर.के. सिंह जैसे वरिष्ठ अधिकारियों और अनेक पूर्व संवैधानिक पदाधिकारियों ने भी चुनाव आयोग की विशेष गहन

पुनरीक्षण प्रक्रिया को मनमाना, दोषपूर्ण और क़ानूनी प्रावधानों के विरुद्ध करार दिया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी ने कहा कि वे शुरुआत से ही एसआईआर प्रक्रिया के आलोचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के दौरान चुनाव आयोग के काम करने का तरीक़ा बेहद मनमाना रहा है। इसी तरह पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया अनावश्यक है और इसके संचालन में आयोग द्वारा अपनाई गई पूरी कार्यणाली तथा पद्धति दोषपूर्ण है। लवासा ने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठा यह विवाद काफ़ी अभ्रिय है और इससे लोकातांत्रिक संस्था की कार्यणणाली को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व गृह सचिव आर.के. सिंह ने तो एक खुला पत्र जारी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर अभियान के दौरान क़ानून का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर कटे हैं। आर.के. सिंह ने आरोप लगाया कि देशभर में एसआईआर लागू

करने का फ़ैसला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के विपरीत था। क्योंकि क़ानून में विशेष परिस्थितियों में केवल किसी विशेष निर्वाचन क्षेत्र या उसके हिस्से में ही एसआईआर विशेष पुनरीक्षण की अनुमति है, न कि पूरे देश में। सिंह ने कहा कि धारा 21 के तहत पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने और उससे जुड़ी सभी आपीलों के निपटारे तक पुरानी मतदाता सूची प्रभावी रहती है। इसके बावजूद, अपीलों के लंबित रहने के दौरान संशोधित मतदाता सूची का इस्तेमाल चुनावों में किया गया, जो कि अवैध था। सिंह का आरोप है कि 2003 के बाद जोड़े गए मतदाताओं के नाम बिना जाँच, बिना नोटिस और बिना सुनवाई के हटाए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि चुनाव आयोग ने सबूत का भार मतदाताओं पर डाल दिया, जबकि क़ानून के अनुसार नाम हटाने का आधार साबित करने की ज़िम्मेदारी प्रशासन की होती है। सिंह के अनुसार एसआईआर या विशेष पुनरीक्षण ने अब तक 13 करोड़ नाम हटाए हैं। यह वोटर्स का 13% है। और एसआईआर अभी ख़त्म नहीं हुआ है। 2024 के चुनावों में एन डी ए और इण्डिया गठबंधन के बीच सिर्फ़ 3% का अंतर था।

आज का राशिफल

मेघ राशि : आज का दिन आपके लिये शानदार रहने वाला है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज किसी खास प्रयोजन को लेकर यात्रा संबंधी प्रोग्राम बन सकता है। घर में नजदीकी संबंधियों का आगमन होगा और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद अवश्य लें और उनका मान-सम्मान व आदर करें। आज आपको अपने व्यवहार में कुछ सुधार लाने की भी जरूरत है। कार्यस्थल पर उच्च अधिकारियों से मेल जोल बढ़ाएं।
वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। आज काम जिस तरह चल रहे हैं, अभी उनमें किसी तरह का भी बदलाव लाने की कोशिश ना करें। अगर व्यवसाय में कोई नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो उससे संबंधित और अधिक जानकारी हासिल करना जरूरी है।
मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अचानक ही किसी मित्र से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर लाभदायक विचार विमर्श भी होगा। मानसिक सुकून पाने के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बितायेंगे। आज नकारात्मक सोच से बचने की कोशिश करें। बेहतर होगा जानकारी और उच्च साहित्य पढ़ते में अपना समय लगाएं। आज आपके कार्यस्थल पर काम ज्यादा रहेगा।
कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस करेंगे। कोई खास कार्य सिद्धि भी संभव है। दूसरों से उम्मीद करने से आजीवन अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखें। आज सहज तरीके से अपने कार्यों को व्यवस्थित करते चलें।
सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। समस्याओं से घबराने के बजाय उनको सुलझाने की कोशिश करें। जो चीजें महत्वपूर्ण हैं उनको खुद ही संभालें और जरूरत हो तो किसी अनुभवी की सलाह भी लें। आज आपका परिवार जनों के साथ मनोरंजन में अच्छा समय बितेगा।
कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको किसी अनुभवी से सलाह लेनी चाहिए। अपने अहम् पर काबू करके परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।
तुला राशि : काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज किसी से अनवन की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रहें। आज लंबी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है। जोरिफ भरे कामों से दूर रहें। आज किसी काम में जल्दबाजी और गुस्सा नहीं करेंगे तो आपका काम आसानी से हो जायेगा।
वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत सजदीगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपको मदद कारगर साबित होगी, आज रुके हुए पैसे की वापसी भी हो सकती है।
धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज दोस्तों और रिश्तदारों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा। आज कोई सुखद समाचार मिलने से भावनात्मक रूप से आप अपने आपको बढ़िया महसूस करेंगे।
मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपके मन में किसी प्रकार का डर रहेगा लेकिन डरने की बात नहीं है यह आपकी ओवर थिंकिंग के कारण हो सकता है। व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। दूर-एंड-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी व्यवसायों में सुधार आएगा। आज कार्यभार अधिक होने की वजह से ओवरटाइम काम पड़ेगा।
कुंभ राशि : आपके लिए फेबरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बितायेंगे। ऑफिस में कुछ राजनीति जैसा माहौल रह सकता है। आज जीवनसाथी का आपके प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा। लवमेट के साथ धूमने का भी प्रोग्राम बनेगा। आज आपके व्यवहार में पॉजिटिव बदलाव आयेगा, इससे घरवाले आपसे प्रसन्न रहेंगे।
मीन राशि : आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक और व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं।

निडर होकर खेलें खिलाड़ी, खुद पर रखें भरोसा : श्रेयस अय्यर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय टी-20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि टीम के खिलाड़ियों को बाहरी दबाव की चिंता किए बिना अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करना चाहिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज से पहले जियोस्टार के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज: सरपंच श्रेयस' में अय्यर ने अपने खिलाड़ियों से कैसी सोच की उम्मीद करते हैं, बल्लेबाजी के प्रति उनका क्या नजरिया है और युवा वैभव सूर्यवंशी के साथ उनकी बातचीत के बारे में खुलकर बात की। अय्यर ने कहा कि वह चाहते हैं कि खिलाड़ी निडर होकर खेलें और अपनी सोच या खेलने के तरीके को सीमित न करें। क्योंकि जब आप अपनी स्वाभाविक सोच को रोकते हैं, तो आपकी असली क़ाबिलियत मैदान पर नहीं दिखती। इसलिए, मुझे लगता है कि बाहर से जो उम्मीदें हैं, उनसे कहीं ज्यादा हमें खुद पर भरोसा करना चाहिए। एक टीम के तौर पर आप जानते हैं कि टीम के अंदर क्या चल रहा



है और खिलाड़ियों की सोच कैसी है इसलिए, अच्छे और बुरे हर समय में आपको एक-दूसरे का साथ देना होगा और यह पक्का करना होगा कि मुश्किल समय में हर कोई एक-दूसरे के साथ खड़ा रहे। अपनी बल्लेबाजी की रणनीति पर अय्यर ने कहा कि वह परिस्थिति के हिसाब से खेलना पसंद करते हैं। अगर वह पावरप्ले में बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो क्षेत्ररक्षण प्रतिबंधों का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे हालात के

हिसाब से खेलना पसंद है। अगर मैं पावरप्ले में बल्लेबाजी करने जाता हूँ, तो मैं पावरप्ले में मिलने वाली क्षेत्ररक्षण पाबंदियों का पूरा फायदा उठाना चाहता हूँ। मैं मुश्किल समय में भी गेंदबाजों पर हावी होकर खेलना पसंद करता हूँ, क्योंकि तभी आक्रामक खेल काम आता है। मेरी सोच शुरू से ही ऐसी रही है, जबसे मैंने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलना शुरू किया था। एक बार जब मैं जम जाता हूँ, तो मैं यह पक्का करने की कोशिश

करता हूँ कि मेरे बाद आने वाले बल्लेबाजों के लिए एक अच्छा मंच तैयार करूँ। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के साथ अपनी बातचीत को लेकर अय्यर ने कहा कि वह उनसे सिर्फ क्रिकेट के बारे में बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि मैं वैभव से मैदान के बाहर की चीजों के बारे में बात करते रहते हूँ, क्योंकि हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में ही बात करता है। हम जानते हैं कि एक इंसान के तौर पर वह कितना प्रतिभाशाली है। इसलिए, मैं उससे मैदान के बाहर की जिंदगी, परिवार और उसकी पसंद-नापसंद के बारे में बात करता हूँ। ऐसी बातें करते हुए वह ज्यादा सहज महसूस करते हैं। अय्यर ने आगे कहा कि वैभव बहुत शांत स्वभाव का है, लेकिन मैदान पर उसका अंदाज बेहद आक्रामक है। उन्होंने भरोसा जताया कि जब वैभव को भारतीय टीम में खेलने का पूरा मौका मिलेगा तो वह भारतीय क्रिकेट पर अपना प्रभाव छोड़ेगा। फिलहाल टीम में विश्व कप विजेता सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। वैभव अभी टीम के 15 सदस्यीय दल का हिस्सा है और सही समय आने पर वह जरूर अपनी छाप छोड़ेगा।

पाकिस्तान में होने वाली ट्राई सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान, असलंका बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी वनडे ट्राई-सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा रविवार को कर दी है। इस सीरीज में मेज़बान पाकिस्तान और श्रीलंका के अलावा इंग्लैंड की टीम भी हिस्सा लेगी। सीरीज की शुरुआत 18 अक्टूबर से होगी। श्रीलंका की टीम में दो बदलाव किए गए हैं। पूर्व कप्तान चरिथ असलंका को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि रिपन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा भी चोट के कारण टीम का हिस्सा नहीं हैं। इन दोनों की जगह बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो और ऑलराउंडर सहान अर्याचिगे को टीम में शामिल किया गया है। असलंका ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने तीन मैचों में क्रमशः 1, 11 और 7 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड दौरे के दौरान हसरंगा



चोटिल हो गए थे। इन दो बदलावों के अलावा टीम में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है। यही टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उतरी थी, जहां श्रीलंका को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका 16 खिलाड़ियों की टीम में शामिल हैं लेकिन उनका सफर कुछ शर्तों पर निर्भर है। वे टीम के साथ तभी यात्रा करेंगे जब उन्हें मेडिकल तौर पर फिट घोषित किया जाएगा। वनडे ट्राई-सीरीज के लिए श्रीलंका की एकदिवसीय टीम: कुसलें मंडिस (कप्तान), सहान अर्याचिगे, दुष्मंथा चमीरा, सचिन्द कोलोम्बेज, अविष्का फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, जनिथ लियागो, दिलशान मधुशंका, ईशान मलिंगा, कामिन्दु मोंडिस, कामिल मिशारा, पथुम निसंका, पवन रत्नायके, दासुन शानका, महेश थोक्षाना, दुनिथ वेललांगे।

शतक के बाद 92 रन, विश्वकप के पहले पुराने रंग में लौटे रोहित शर्मा

एजेंसी, नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का बल्ला लगातार बड़ी पारियां खेल रहा है। गुवाहाटी में शतक जमाने के बाद मुल्लापूर में उन्होंने 92 रन की महत्वपूर्ण पारी खेलकर एक बार फिर अपनी बल्लेबाजी क्षमता दिखाई। हालांकि, शतक से महज आठ रन दूर आउट होने का मलाल उन्हें जरूर रहा होगा, लेकिन लगातार दूसरी बड़ी पारी ने वनडे क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को फिर चर्चा में ला दिया है। मुल्लापूर की चुनौतीपूर्ण पिच पर भारतीय टीम ने शुरुआती



झटके जल्दी गंवा दिए थे। शुभम गिल और विराट कोहली महज चार-चार रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऐसे समय में रोहित ने रितुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने जोखिम कम लेते हुए तेजी से रन जुटाए और 137 रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। रोहित ने

85 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और तीन छक्के लगाए। रोहित की मौजूदा सीरीज में बल्लेबाजी की खास बात केवल उनके निजी रन नहीं हैं, बल्कि साझेदार के साथ तालमेल बनाकर पारी को आगे बढ़ाना भी रहा है। तिरुवनंतपुरम में उन्होंने 32 रन बनाए थे, लेकिन शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 12 ओवर में 76 रन जोड़कर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। इसके बाद गुवाहाटी में 405 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने 75 गेंदों में 101 रन की आक्रामक पारी खेली।

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्हें अमेरिका की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन की वार्षिक टाइम 100 नेक्स्ट सूची में शामिल किया गया है, जो वैश्विक स्तर पर भविष्य को आकार देने वाले 100 उभरते हुए सितारों को पहचानती है। महज 15 साल की उम्र में इस सूची में जगह बनाने वाले वैभव सबसे युवा व्यक्ति हैं और दुनियाभर से चुने गए केवल सात एथलीटों में इकलौते

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ी हैं। यह उनकी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय प्रदर्शन का प्रमाण है जिसने उन्हें इतनी कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। टाइम मैगजीन की सीईओ जैसिका सिब्ले ने इस सूची के बारे में बताया कि इस साल के लिस्ट-निर्माता सीमाओं को पार कर रहे हैं, नई संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं और अपने क्षेत्रों तथा समुदायों को आगे बढ़ा रहे हैं। फेनोम श्रेणी में शामिल करते हुए टाइम ने वैभव सूर्यवंशी को तेजी से वैश्विक खेल के सबसे रोमांचक और ऊर्जावान चेहरों में से एक बताया है। उनकी



निरंतर सफलता और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने उन्हें क्रिकेट जगत में एक चमकता सितारा बना दिया है। वैभव की यह अद्भुत यात्रा 2024 में शुरू

हुई थी, जब उन्होंने सिर्फ 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में अपना पेशेवर क्रिकेट डेब्यू किया और प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीयों में से एक बन गए। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, आईपीएल 2025 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1 करोड़ रुपये की मोटी बोली लगाकर अपनी टीम में शामिल कर लिया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन किया, सात पारियों में कुल 252 रन बनाए, जिसमें गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में खेले गई तूफानी शतकीय

पारी भी शामिल थी, जो उस समय आईपीएल में किसी भारतीय द्वारा लगाया गया सबसे तेज शतक था। अपने दूसरे सीजन में उन्होंने रनों का अंबार लगा दिया, एक शतक और पांच अर्धशतकों की मदद से 776 रन बटोरे और सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में उभरे। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में कुल 72 छक्के जड़े, जिससे उन्होंने टी-20 के दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल के पिछले रिकॉर्ड को 20 छक्कों के अंतर से पीछे छोड़ दिया। उनकी इस शानदार फॉर्म का सिलसिला यहीं नहीं थमा।

बिजनेस

आर्थिक मजबूती बनाना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, न कि एक बार की कवायद: सीतारमण

वित्त मंत्री ने कहा- वैश्विक अनिश्चितता अब एक स्थायी स्थिति है, हमें मजबूती बनाए रखनी होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि अनिश्चितता वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक स्थायी स्थिति बन गई है। इसलिए पॉलिसी इसी को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को अपनी आर्थिक मजबूती और सहनशक्ति लगातार बढ़ाते रहने की जरूरत है। सीतारमण ने नई दिल्ली में पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए यह बात कही। ग्लोबल अनिश्चितता के बीच भारत की प्रार्थमिकताओं को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्रॉडेंट सेक्टर निवेश की अगुवाई करें, जिसमें रिसर्च एंड डेवलपमेंट भी शामिल है। वित्त मंत्री ने कहा, “अनिश्चितता अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक स्थायी स्थिति बन गई है और नीतियां इसी को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। हमें आगे बढ़ते हुए मजबूती बनाए रखनी होगी, यह कोई एक बार



की प्रक्रिया नहीं है। आने वाले वर्षों के लिए तैयारी की जरूरत है और भारत मजबूती के साथ इनका सामना करने के लिए तैयार है।”

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि वैश्विक सार्वजनिक ऋण 2025 में बढ़कर जीडीपी के करीब 94 प्रतिशत तक पहुंच गया और 2029 तक इसके 100 फीसदी तक पहुंचने

का अनुमान है। यह स्तर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के दौर में आखिरी बार देखा गया था। सीतारमण ने “बदलाव के दौर में मजबूती” विषय पर अपने संबोधन में कहा कि भारत का नेतृत्व ‘सुधारवादी सोच’ वाला है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुधारों को मजबूरी नहीं, बल्कि पक्के विश्वास

के साथ अपनाते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने जीएसटी, इनऑल्लेंस ईड बैंकरप्सी कोड, चार लेबर कोड और जन विश्वास एक्ट के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर सुधारों को आगे बढ़ाया है। इसका मकसद देशभर में आर्थिक गतिविधियों को आसान, ज्यादा अनुमान लगाने योग्य और ज्यादा उत्पादक बनाना रहा है।

आरबीआई क्रिप्टोकॉर्सी को लेकर सतर्क, इससे जुड़ी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा: संजय मल्होत्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि भारत ने क्रिप्टोकॉर्सी को लेकर सतर्क रुख अपनाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इससे जुड़ी ‘डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी’ और टोकन व्यवस्था जैसी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आरबीआई के गवर्नर ने नई दिल्ली में पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ये बात कही। मल्होत्रा ने बताया कि भारत क्रिप्टो परिसंपत्तियों से जुड़ी प्रौद्योगिकियों में नवोन्मेष का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि इनमें ‘डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी’ यानी विकेंद्रीकृत डिजिटल बही-खाता तकनीक और टोकन व्यवस्था शामिल हैं। लेकिन मौद्रिक संप्रभुता, मौद्रिक नीति और पूंजी प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण क्रिप्टोकॉर्सी को लेकर सतर्क हैं। संजय मल्होत्रा ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में कहा, “हमारा दृष्टिकोण बुनियादी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का रहा है। हम इनमें से कुछ का उपयोग केंद्रीय बैंक के भीतर और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत बाहरी स्तर पर कर रहे हैं।

भारत-कनाडा के बीच सीईपीए वार्ता का पांचवां दौर सोमवार से शुरू होगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और कनाडा के के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए पांचवें दौर की वार्ता 5 अक्टूबर से ओटावा में शुरू होगी। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल के अंत तक बातचीत पूरी करने का है। पांच दिन तक चलने वाली यह वार्ता नौ अक्टूबर को समाप्त हो सकती है। इस बातचीत का चौथा दौर 18 सितंबर को नई दिल्ली में संपन्न हुआ था। सूत्रों ने कहा कि दोनों देश इस साल के अंत तक वार्ता पूरी करने के लक्ष्य के साथ बातचीत वार्ता में तेजी ला रहे हैं। यह वार्ता इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पिछले महीने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस साल दिसंबर के आसपास कनाडा की यात्रा कर सकते हैं। भारत और कनाडा वार्ता को और गति देने के लिए कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू इस महीने के अंत में 300 सदस्यीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली आएंगे। सिद्धू और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले



महीने मुंबई में मुलाकात कर बातचीत की प्रगति की समीक्षा की थी।

क्या है प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता : भारत और कनाडा प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) एक तरह का मुक्त व्यापार समझौता है, जिसके तहत दोनों देश आपस में कारोबार होने वाली अधिकतम संख्या में वस्तुओं पर सीमा शुल्क को काफी कम या समाप्त करते हैं। इसके अलावा

कुशल पेशेवरों के आवागमन के नियमों को आसान बनाने और निवेश आकर्षित करने के उपाय भी इसमें शामिल होते हैं। मार्च, 2022 में दोनों देशों ने अंतिम समझौते के लिए बातचीत फिर शुरू की। 2023 में दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ने के बाद कनाडा ने वार्ता फिर रोक दी। नवंबर, 2025 में दोनों देशों ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक वार्ता फिर शुरू करने का फैसला किया।

गोयल ने अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ की बैठकें, निवेश के अवसरों पर की चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की कई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की और भारत में निवेश के अवसरों पर चर्चा की। गोयल पांच अक्टूबर तक अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने शनिवार को ‘एक्स’ पर जारी पोस्ट पर लिखा टारगेट के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य कानूनी एवं अनुपालन अधिकारी ग्रांट मैक्गी के साथ बैठक की। टारगेट अमेरिका की एक प्रमुख खुदरा कंपनी है। उन्होंने आगे कहा कि देश में अपनी मौजूदगी मजबूत करने और भारत से सोर्सिंग बढ़ाने



के अवसरों पर चर्चा की गई। गोयल ने आगे कहा कि ‘मेक इन इंडिया’ पहल के तहत भारत में विनिर्माण के बढ़ते मौकों का और फायदा उठाने, देश में अपनी मौजूदगी बढ़ाने और भारत से खरीद को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।’ उन्होंने मॉडरेल इंटरनेशनल के कार्यकारी

उपाध्यक्ष एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी अमित बनाती से भी मुलाकात की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा, “हमने भारत में मॉडरेलज की सात दशक पुरानी मौजूदगी और उसके विनिर्माण, खरीद तथा निवेश का विस्तार करने के अवसरों पर चर्चा की गई।” मॉडरेल इंटरनेशनल

चॉकलेट और बिस्कुट ब्रांड से जुड़ी कंपनी है। एऑन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ग्रेग केस के साथ बैठक में गोयल ने भारत में कंपनी के परिचालन और उसके आगे विस्तार के अवसरों पर भी चर्चा की। एऑन एक वैश्विक पेशेवर सेवा कंपनी है। इसके अलावा, पीयूष गोयल ने प्रौद्योगिकी कंपनी कॉग्निजान के मुख्य कानूनी एवं वैश्विक मामलों के अधिकारी पॉल ग्रेवाल से मुलाकात की। आर्चर डेनियल्स मिडलैंड (एडीएम), शिकागो के निदेशक मंडल के चेयरमैन एवं सीईओ जुआन रिकार्डो लुसियानो के साथ बैठक में मंत्री ने भारत में एडीएम की मौजूदगी बढ़ाने और निवेश के अवसरों पर चर्चा की।

■ नबकिसान ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी और स्वच्छता के लिए जुटाए 180 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की सहायक कंपनी, नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने ग्रामीण क्षेत्रों में पानी, स्वच्छता और हाइजीन (वांश) परियोजनाओं के लिए देश के पहले सोशल बॉन्ड के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड ने भारत के पहले ऐसे सोशल बॉन्ड



के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जो खास तौर पर पानी, साफ-सफाई और हाइजीन (वांश) के लिए है। यह बॉन्ड 01 अक्टूबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई) में सूचीबद्ध हुआ। इसे तय राशि से

1.8 गुना ज्यादा सब्सक्रिप्शन मिला है। मंत्रालय ने बताया कि नाबार्ड की सहायक कंपनी, नबकिसान फाइनेंस लिमिटेड का एक अक्टूबर, 2026 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई में भारत का पहला सोशल बॉन्ड

लिस्ट हुआ, जो पूरी तरह से वॉटर, सैनिटेशन और हाइजीन (वांश) सेक्टर के लिए था। कंपनी ने इस बॉन्ड के जरिए 180 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वित्त मंत्रालय के मुताबिक 5 साल के इस बॉन्ड की कूपन दर 8.10 फीसदी है, यह सितंबर 2031 में मैच्योर होगा, और इसे क्रिसिल एएए (स्टेबल) और केयर एएए (स्टेबल) की सबसे ऊंची घरेलू क्रेडिट रेटिंग मिली है। इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में सुरक्षित पानी, साफ-सफाई और हाइजीन सुविधाओं तक पहुंच को बढ़ाने में किया जाएगा, जिससे लोगों की सेहत, आजीविका और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी।

जैकी श्रॉफ-शरद केलकर की हॉरर फिल्म काली खेती की रिलीज तारीख तय 23 अक्टूबर को होगी रिलीज

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अब तक एक्शन, रोमांच और हास्य फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन किया है। अब वह पहली बार डरावनी फिल्म में नजर आने वाले हैं। पिछले साल घोषित की गई उनकी इस फिल्म का आधिकारिक नाम ‘काली खेती’ रखा गया है। फिल्म में अभिनेता शरद केलकर भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। निर्माताओं ने अब इसकी प्रदर्शन तिथि की घोषणा कर दी है। हारिस इम्तियाज खान के लेखन और निर्देशन में बनी ‘काली खेती’ ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित डरावनी फिल्म है। इसका निर्माण सना खान ने ब्लैककैनवास स्टूडियो के बैनर तले किया है। फिल्म में नेहा सरगम मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। निर्माताओं ने फिल्म का नया चलचित्र पोस्टर जारी किया है, जिसमें इसकी भयावह और रहस्यमयी दुनिया की झलक दिखाई गई है। पोस्टर



के साथ सुनाई देने वाली डरावनी ध्वनि फिल्म के रहस्य और रोमांच को और गहरा करती है। इससे पहले जून 2026 में भी फिल्म का चलचित्र पोस्टर जारी किया गया था। ‘काली खेती’ को लेकर जैकी श्रॉफ के प्रशंसकों में खासा उत्साह है, क्योंकि यह उनके करियर की पहली डरावनी फिल्म होगी। फिल्म की ग्रामीण पृष्ठभूमि और रहस्यमयी कहानी दर्शकों के लिए कुछ अलग अनुभव पेश करने का दावा करती है। यह फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इसी दिन लव रंजन की फिल्म ‘पहला प्यार’ दूसरी बार भी रिलीज होने जा रही है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने की प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया, कहा-सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और इंसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, “ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन इंसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूँ, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी। महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि कू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा, “हमारे सेट पर स्पीट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।” बता दें कि, महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाघवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुंदेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।

परिणीति चोपड़ा ने किया ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शानदार डेब्यू



हाल ही में साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन के साथ अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना शानदार डेब्यू किया है। इस सीरीज की परिणीति के पति और राजनेता राघव चड्ढा ने दिल खोलकर तारीफ की है। प्रशंसकों से इसे देखने की अपील भी की है। राघव चड्ढा ने अपने इंटरग्राम अकाउंट पर सीरीज के प्रीमियर स्क्रीनिंग की कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह परिणीति और सीरीज की पूरी टीम के साथ नजर आ रहे थे। राघव चड्ढा ने शक की सराहना करते हुए लिखा कि इस फिल्म ने उन्हें शुक्र से अंत तक बांधे रखा। उन्होंने बताया कि सीरीज का सरपंस लगातार बढ़ता रहता है और हर एपिसोड के साथ दर्शकों को उन बातों पर भी शक होने लगता है, जिन्हें वे सच मानते थे। राघव के मन में अंत तक एक ही सवाल था – किडनेयर कौन था? उन्होंने यह भी साझा किया कि प्रीमियर, जो उनके सबसे करीबी दोस्तों और परिवार के साथ हुआ, उसे और भी खास बना दिया। राघव ने सीरीज की पूरी कास्ट की तारीफ करते हुए कहा कि सभी कलाकारों ने दर्शकों को कहानी में पूरी तरह से खींच लिया। अपनी पत्नी परिणीति चोपड़ा के अभिनय की विशेष प्रशंसा करते हुए, राघव ने लिखा, आपने क्या कमाल का अभिनय किया है, अनिता के किरदार को सच में जी लिया। उन्होंने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि एक गर्वित पति होने के नाते ही नहीं, बल्कि एक दर्शक के रूप में भी, यह बाकई में दिल थाम देने वाली सीरीज है। राघव ने अपने प्रशंसकों और फैंसोंअर्स से नेटफ्लिक्स पर सीरीज शक देखने का आग्रह किया और एक बार फिर सभी कलाकारों के शानदार अभिनय की सराहना की। शक : ट्रस्ट नो वन के साथ परिणीति चोपड़ा ने अपने ओटीटी करियर की शुरुआत की है। इस 7 एपिसोड वाली सीरीज में परिणीति के साथ-साथ जैनिकर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सोनी राजदान और इरलीन सेठी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।



उदिति सिंह ने खोले राज़

बिग बॉस 20 की कंटेस्टेंट उदिति सिंह ने अभिनेता करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते के बारे में बात की और उनके ब्रेकअप की छिपी हुई अख़्बाई बताया। यह याद करते हुए कि कैसे कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उनके रिश्ते में खटास आ गई थी, उदिति ने बताया कि उन्हें इस रिश्ते में केसा डीमोटिवेटेड महसूस होता था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि इस अलगाव ने आखिरकार उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जिंदगी, दोनों की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा, ब्रेकअप के बाद, यह मेरे लिए सच में एक छिपी हुई अख़्बाई साबित हुआ क्योंकि मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी जिंदगी, सब कुछ बदल गया। उदिति ने आगे बताया कि कैसे उन्होंने और उनके पूर्व पार्टनर ने लॉकडाउन के दौरान नोआ नाम का एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग गोद लिया था। उन्होंने कहा, जब हमने नोआ को लिया, तो उसे लेकर बहुत झगड़े होने लगे, उस समय कोविड भी था। इसलिए



हम दोनों को बहुत सफाई का काम करना पड़ता था। मेरे सफाई करने का तरीका अलग था। उनका तरीका अलग था फिर वह इस मामले में थोड़ा हावी होने की कोशिश करते थे।

शिल्पा ने किया सलमान की तारीफ

ए एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने बिग बॉस 20 के पिछले वीकेड का वार एपिसोड के लिए सलमान खान की तारीफ की है, जिसमें सुपरस्टार ने ट्रोल करने वालों को खरी-खोटी सुनाई थी। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने सलमान की प्रशंसा करते हुए कहा कि काश सलमान खान उस शो में होते जिसमें उन्होंने अभी काम किया था, यानी लॉक अप : सच या सज़ा। उन्होंने कहा, तब मैं एनाबेला की वलास लगा देती। मैं कभी यह नहीं कहती

कि तुम्हारा गेम बहुत अच्छा है। शिल्पा ने आगे बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट काजी तौकीर और माही विज का समर्थन किया और कहा कि गेम के प्रति उनका नजरिया बहुत सीधा-सादा और असली है। उन्होंने कहा, यह बहुत असली है, यह एक रियलिटी शो है। आप जैसे हैं, वैसे ही दिखते हैं और ये लोग बिल्कुल भी बुरे नहीं हैं। वे बहुत सीधे-सादे तरीके से खेल रहे हैं। इसलिए मैं चाहती हूँ कि सब उन्हें पसंद करें, उनका समर्थन करें क्योंकि वे असली हैं।

रियलिटी शो लॉक अप

सच या सज़ा अपने पहले सफल सीजन के बाद अब नेटफ्लिक्स पर दूसरे सीजन के साथ वापसी करने के लिए तैयार है। दर्शक एक बार फिर नए प्रतियोगियों और शो के रोमांचक फॉर्मेट का अनुभव कर पाएंगे। इस नए सीजन में भी अभिनेता रितेश देशमुख और कोरियोग्राफर फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे, जो शो के प्रमुख आकर्षण रहे हैं। जहाँ पहले सीजन का निर्माण एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने किया था, वहीं दूसरे सीजन का निर्माण मलाया प्रधान कर रही हैं। शो अपने मूल फॉर्मेट को बरकरार रखेगा, जिसमें प्रतियोगी जेल के अंदर रहेंगे, विभिन्न टास्क में हिस्सा लेंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का सामना करेंगे। यह घोषणा पहले सीजन को दर्शकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के बाद की गई है। नेटफ्लिक्स के अनुसार, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच बातचीत के जरिए 5 अरब से ज्यादा बार देखा गया और सीरीज के कई पल दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बने।



गांधारी का नेटफ्लिक्स पर रिकॉर्ड

हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म गांधारी को दर्शकों से मिल रहे शानदार रिसर्पॉन्स ने एक नया मुकाम हासिल कर लिया है। फिल्म की व्यूअरशिप में रिलीज के दूसरे हफ्ते में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पहले हफ्ते में 5.9 मिलियन व्यूज और 11.5 मिलियन वॉच आवर्स हासिल करने के बाद, फिल्म ने दूसरे हफ्ते में 9.6 मिलियन व्यूज और 18.7 मिलियन वॉच आवर्स दर्ज किए हैं। नेटफ्लिक्स की वेबसाइट पर प्रकाशित आधिकारिक ग्लोबल डेटा के मुताबिक, गांधारी की दूसरे हफ्ते की 9.6 मिलियन व्यूअरशिप किसी इंडियन नेटफ्लिक्स ऑरिजिनल फिल्म द्वारा एक हफ्ते में हासिल की गई सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। फिल्म का दूसरे हफ्ते में इस तरह तेजी से आगे बढ़ना दर्शाता है कि दर्शकों के बीच फिल्म की चर्चा और वर्ड ऑफ माउथ लगातार मजबूत हुआ है। फिल्म अब नेटफ्लिक्स के नॉन-इंग्लिश मूवीज ग्लोबल चार्ट पर नंबर 1 पर पहुंच गई है। गांधारी 17 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है।

मां ने टॉम क्रूज से मिलने के बाद भी नहीं दिखाया कोई उत्साह: रिज अहमद

हाल ही में ब्रिटिश-पाकिस्तानी अभिनेता रिज अहमद ने हॉलीवुड के दिग्गज कलाकार टॉम क्रूज से अपनी मां की मुलाकात का बेहद दिलचस्प किस्सा साझा किया है। चर्चा के दौरान रिज ने बताया कि उनकी मां ने दुनिया के सबसे बड़े स्टारस्टार्स में से एक टॉम क्रूज से मिलने के बाद भी कोई खास उत्साह नहीं दिखाया, बल्कि उन्हें सिर्फ नाइस बॉय कहकर बात को खत्म कर दिया। यह किस्सा सुनकर शो के होस्ट और दर्शक दोनों ही हस पड़े। शो के दौरान होस्ट जिमी फॉलन ने जब रिज से उनकी मां के बारे में पूछा, तो रिज ने स्नेह से जवाब दिया कि उनकी मां बेहतरीन इंसान हैं और वह जिनसे भी मिलती हैं, उन पर अपनी एक अलग छाप छोड़ती हैं। अपनी मां के साथ एक तस्वीर का जिक्र करते हुए, रिज ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मैं उन्हें देखता हूँ तो लगता है कि मैं ब्लू स्टील वाला पोज देने की कोशिश कर रहा हूँ और वह सिर्फ



मुझ पर हंस रही हैं। असल में यही हो रहा है। यह बात उनकी मां के सहज और निडर स्वभाव को दर्शाती है, जो किसी भी स्थिति में अपनी मौलिकता नहीं छोड़ती। इसके बाद रिज ने टॉम क्रूज से जुड़ा वह खास किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि उनकी मां की मुलाकात टॉम क्रूज से डिगर फिल्म के प्रीमियर के दौरान हुई थी, जहां वह प्रिंस विलियम, केट मिडलटन और टॉम क्रूज जैसे कई गणमान्य व्यक्तियों से मिली थीं। जब रिज ने बाद में अपनी मां से पूछा कि उन्हें टॉम क्रूज कैसे लगे, तो उन्होंने बेहद सहज और आत्माशित अंदाज में जवाब दिया,

नाइस बॉय। रिज ने कहा कि उनकी मां का यह बेपरवाह रिएक्शन उनके लिए काफी मजेदार था, क्योंकि यह उनकी मां के किसी भी बड़े स्टार से प्रभावित न होने के स्वभाव को दर्शाता है। रिज ने एक ओर दिलचस्प घटना को याद करते हुए बताया, जब हम रॉयल फैमिली समेत कई खास मेहमानों के सामने पहली बार फिल्म दिखाने के लिए स्टेज पर जाने की वाले थे, तो इस पुरे पल, हम, पूरी कास्ट, कू, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर सभी ईंतजार कर रहे थे। इस दौरान टॉम क्रूज मुझे, गहरी सांस ली, और सभी को लगा कि वह कोई स्पीच देंगे। लेकिन उन्होंने सिर्फ मेरी तरफ इशारा किया और कहा, रिज। सभी ने मेरी तरफ देखा। फिर उन्होंने कहा, आपकी मां बहुत अच्छी हैं। यह घटना दिखाती है कि टॉम क्रूज भी रिज की मां के व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हुए थे। हॉलीवुड के सुपरस्टार टॉम क्रूज इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डिगर को लेकर चर्चा में हैं।



रात को सोने से पहले इन 5 स्किन केयर आदतों को अपनाएं, त्वचा रहेगी स्वस्थ

रात को सोने से पहले स्किन केयर रूटीन का पालन करना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को आराम देने और उसे पोषण देने में मदद करता है। सही समय पर सही उत्पादों का उपयोग करने से आपकी त्वचा ताजगी और निखार बनाए रख सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी स्किन केयर आदतें बताएंगे, जिन्हें आप अपनी रात की दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। रात को सोने से पहले सबसे पहला कदम है अपने चेहरे को अच्छे से धोना। यह जरूरी है ताकि दिनभर की गंदगी, धूल और मेकअप के कण आपकी त्वचा पर न रहें। इसके लिए हल्के साबुन या चेहरे धोने वाले उत्पाद का उपयोग करें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। गुनगुन पानी का उपयोग करें ताकि रोमछिड़ खुल सकें और त्वचा गहराई से साफ हो सके। इसके बाद ठंडे पानी से धोकर त्वचा को ताजगी मिलेगी। चेहरा धोने के बाद त्वचा के संतुलन को बनाए



रखने के लिए टोनर का उपयोग करें। टोनर आपकी त्वचा के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है और इसे नमी प्रदान करता है। इसके अलावा यह त्वचा की गहराई तक पहुंचकर उसे पोषण देता है। टोनर लगाने से पहले सुनिश्चित करें कि आपका चेहरा पूरी तरह से सूखा हो चुका हो। इसके बाद रूई पर थोड़ा सा टोनर लें और हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं। सीरम एक ऐसा उत्पाद है, जिसमें विटामिन-सी, विटामिन-ई जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं। रात को सोने से पहले सीरम लगाना बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि तब आपकी त्वचा आराम कर

रही होती है और उसे पोषण ग्रहण करने का पूरा समय मिलता है। इसके अलावा सीरम आपकी त्वचा को निखारता भी है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। इसलिए इसे अपनी रात की स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। त्वचा को नमी प्रदान करने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। यह खासकर ठंडे मौसम या वातानुकूलित वातावरण में बहुत जरूरी होता है, जहां हवा शुष्क होती है। अपने चेहरे और गर्दन दोनों पर हल्के हाथों से मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि यह अच्छी तरह अवशोषित हो जाए। इससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनी रहेगी, जिससे आप सुबह उठकर तरोताजा महसूस करेंगे। आंखों के आस-पास की त्वचा बहुत नाजुक होती है और इसे खास देखभाल की जरूरत होती है। रात को सोने से पहले आंखों की देखभाल करना जरूरी है ताकि सुबह उठकर आपकी आंखें तरोताजा दिखें। इसके लिए आप आंखों की क्रीम या जेल का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नमी प्रदान करने वाले तत्व हों।

5 Indian seafarers safely rescued after Kuwait-flagged tanker struck by projectile in Strait of Hormuz

New Delhi, Agency: Five Indian nationals aboard a Kuwait-flagged crude oil tanker were safely rescued after the vessel was struck by a projectile in the Strait of Hormuz, the Indian embassy in Oman said on Friday.

The Indian nationals were aboard MT Kazimah III, which was hit while sailing through the strategic waterway. The embassy coordinated their rescue and said all five had been safely shifted ashore. "Earlier today, the Mission coordinated rescue of five Indian nationals on board the Kuwait-flagged tanker MT Kazimah III, struck by a projectile in the Strait of Hormuz. All 5 Indian nationals have been shifted ashore safely. We thank the Omani authorities for their continued support and assistance," the embassy said in a post on X. The embassy thanked Omani authorities for their support during the rescue operation.

MT Kazimah III is a crude oil tanker sailing under the Kuwaiti flag and was en route to the port of Lomé in Togo when it



was struck.

The incident comes as India steps up efforts to monitor the safety of its seafarers amid heightened security risks in the Persian Gulf and other major shipping routes.

Earlier on Tuesday, external affairs ministry spokesperson Randhir Jaiswal said that more than 4,500 Indian seafarers were aboard commercial vessels operating in the region. Of these, 163 were on 12 active cargo ships, including six India-flagged

vessels and six foreign-flagged vessels carrying cargo to India.

"At this point, we have six India-flagged commercial vessels in the Persian Gulf. We also have six foreign-flagged vessels which are carrying cargo to India. So 12 ships are there. On these ships, we have around 163 Indian seafarers who are on board," Jaiswal said during a media briefing.

"Apart from this, we also have over 4,500 Indian seafarers who are on board various commercial vessels which are operating in the area," he added.

Jaiswal said the ministry of shipping was coordinating with Indian diplomatic missions and local stakeholders to track vessel movements and monitor the welfare of Indian seafarers.

"Our ministry of shipping continues to monitor the movement of these ships and is looking at the well-being of all these seafarers, and as and when required, through our embassies and other stakeholders, they do the needful for their well-being and welfare," he stated.

Cases clubbed only after CJI spoke to presiding judges

New Delhi, Agency: The sound and fury in the Supreme Court Wednesday over the clubbing of two petitions - one seeking the initiation of contempt proceedings for the violation of an earlier SC judgement and the other challenging the validity of a new law - both on the deputation of IPS officers in the central armed police forces (CAPFs), has turned out to be much ado about nothing.

The contempt petition was initiated for the alleged violation of the SC's May 23, 2025, judgement directing the gradual reduction and eventual phasing out of IPS officers' deputation to CAPFs and is pending before a bench headed by Justice Ujjal Bhuyan.

Another petition, which challenged the validity of the new CAPF Act, which was enacted subsequent to the SC judgement and permitted the deputation of IPS officers to CAPFs, is before another bench headed by Justice Manoj Misra.



On September 30, the contempt petition listed before Justice Bhuyan was abruptly dropped from the notified list of cases, and, subsequently, both the contempt petition and the writ petition were listed before a special bench of Justices Misra and Bhuyan. This led to an uproar before the special bench. Senior advocate Shyam Divan said, "You cannot have a listed matter plucked off the board. This is an all-India court. People make travel arrangements and come here from all over the country.

SIR under review: Former SC, HC judges to examine 'constitutional & statutory validity' of voter roll revision

New Delhi, Agency: A panel of five former Supreme Court and high court judges has been set up to examine the Election Commission's Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls, as the poll panel separately moves to identify and re-enrol voters left out during the exercise.

The Lawyers Association for Constitution (LAFC) said the commission, headed by former Supreme Court judge Madan B Lokur, will examine the constitutional and statutory validity of the SIR, its methodology and its overall impact on eligible voters, reported Media.

"The newly-formed independent commission of former judges on the Special Intensive Revision of the electoral roll will function with complete autonomy to examine the constitutional and statutory validity, methodology and overall impact of the



SIR exercise on eligible voters," it said.

The other members are former Supreme Court judge A K Patnaik, former chief justice of the Jammu and Kashmir High Court Badar Durrez Ahmad, and former judges Rekha Sharma and Anjana Prakash.

Meanwhile, LAFC said senior lawyers including Kapil Sibal, Prashant Bhushan, Chander Uday Singh, Prashanto Chandra Sen, Raju Ramachandran, Rebecca Mammen John, Warisha Farasat and Vrinda Grover will provide strategic legal advice to the commission.

The commission will examine whether eligible citizens were retained on the electoral roll and whether ineligible entries were appropriately excluded, the LAFC said.

It plans to hold public hearings across the country, with full and regional benches travelling to different locations to record the views and testimonies of affected citizens, civil society organisations and experts.

The LAFC said the commission would function with complete autonomy and have the final responsibility for its findings and recommendations.

The panel's formation comes as the Election Commission has directed state poll officials to launch a special drive to identify and enrol valid voters who were left out after the SIR in states where the exercise has been completed.

To counter China, India formally puts Gogra, Hot Spring & others on map

New Delhi, Agency: In what is intended to remove any ambiguity or misplaced perception regarding certain land areas, peaks, mountains, passes, glaciers and water bodies in Ladakh, including those bordering China, being an integral part of India, the government has, in consultation with the UT, identified 28 places and features in Ladakh by standard names on the official map of the Survey of India.

Among the 28 are places in Aksai Chin and Gilgit-Baltistan in POK, which India treats as part of Ladakh.

"Identifying them formally... is aimed at facilitating their accurate recognition and better awareness among the people at large," the home ministry said Friday. The move comes less than a couple of months after a similar step was taken with regard to 27 border areas and



passes in Arunachal Pradesh.

Among the 28 places in Ladakh identified are 10 peaks, three mountains, seven land areas, two glaciers, two passes, one river, one lake, one water body and one valley. The list includes Hot Spring and Gogra, which were friction points during the 2020 standoff between India and China.

The list also has Alisha Giri; Brangsa; Chapchinal Pass; Kanishka Peak; Karun Pir mountain; Kuksel; Martand

Giri; Parpik Glacier; Skamri Glacier; Shachmirik Pass; Shkorga Valley; Zorawar Peak; Dehra Compass; and Drak Karpo.

Jolmori; Kumarayana Point; Panglung; Rinchen Zangpo; Sakyasri Giri; Guru Rinpoche; Shamal Lungpa (a patrol and staging route in the 1950s); Yangpa River; Marpa Lotsava Ri; Milarepa Kangri; Shiva Ri, and Maheshwara Ri have also been identified.

From papads to pitches: NCERT brings startup lessons to Class IX

New Delhi, Agency: Seven women, Rs 80 in borrowed capital and a Mumbai terrace. That was how Lijjat Papad began in 1959. More than six decades later, the story will be used to teach Class IX students how an idea, however small, can grow into an enterprise.

NCERT's new social science textbook has introduced a dedicated chapter on startups and entrepreneurship, taking students through the basics of identifying business opportunities, understanding markets and preparing a workable business plan.

The chapter is built around three

broad questions - how entrepreneurship affects society and the economy, what the main functional areas of a business are, and how an effective business plan is prepared. It also places these lessons in the context of India's startup journey. The book says the country had only around 350-400 startups about a decade ago, while the ecosystem has now expanded to nearly 2.3 lakh enterprises, making India the world's third-largest startup ecosystem. The broader policy push, it says, is to bring research, industry, startups and entrepreneurship onto a common platform.

EC violating law through ECINet system: Jairam Ramesh

New Delhi, Agency: Congress MP Jairam Ramesh on Friday accused the Election Commission of violating electoral laws through its ECINet voter roll system. He said the panel's decision to appoint a committee to review the system had exposed the hollowness of its earlier claim that ECINet had been developed in strict compliance with the law and the Constitution.

Ramesh said the EC should not have needed to establish whether its own system complied with the Representation of the People Act, 1950, and the Registration of



Electors Rules, 1960, questioning the circumstances in which Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar had allowed the system to be introduced.

He said ECINet was launched on January 22 with the stated objective of enhancing "transparency, credibility and public trust". "The EC assured the country that the system had been developed in accordance with the Constitution, Representation of the

People Acts and the Registration of Electors Rules. All of this was a lie," Ramesh said. His remarks came after the EC recently announced that a panel would review ECINet to certify its compliance with the relevant Acts and Rules.

Ramesh alleged that the system had effectively curtailed the statutory authority of Electoral Registration Officers (EROs) by restricting their access to the voter-roll system and by allowing decisions taken by EROs to be overridden in states such as Goa and West Bengal.

Unsolicited advice to Supreme Court lands trial judge in trouble

New Delhi, Agency: It sounds inconceivable that a trial judge will advise the top court of the country on how to decide a case. But it happened recently, and the judge is now in trouble, with the Supreme Court seeking an explanation from him for advising it on when to grant bail.

The case pertains to the bail petition of an accused from West Bengal who has been an undertrial prisoner for the last five years, and the apex court, while rejecting his plea, had asked the trial court to complete the proceedings within three months. The order, which was passed on May 11, directed the trial court to file a report after disposal of



the case.

As the trial court could not honour the SC order, the judge wrote to the apex court seeking more time to conclude the trial. But the judge, the additional district and sessions judge, 3rd court, North 24 Parganas at Barasat, also gave some unsolicited advice to the apex court on bail jurisprudence - when to grant bail and when not. After reading the letter, which was placed before a bench of Justices J B Pardiwala

and K Vinod Chandran, the court expressed shock over its contents, which were uncalled for and directed its registry to ask the judge why he wrote what he wrote. The bench, however, did not reveal the exact wording of the letter but noted in its order that the judge conveyed words of advice.

"We are quite disturbed with the manner in which the trial judge has addressed a letter to this court requesting some more time. It is not for the presiding officer to convey words of advice as to when this court should grant bail and should not grant bail. The last two paragraphs of the letter are something which we have not appreciated.

Warring out, Channi not in yet: Has Congress solved Punjab crisis or created more confusion?

New Delhi, Agency: The churn in Punjab Congress is now complete. Or is it? Amarinder Singh Raja Warring has quit as the Punjab Congress president after more than four years in the post. The Congress is yet to make a formal announcement, but Warring has already changed his X bio to "Former PPCC President." Today, he met Rahul Gandhi and handed him his formal resignation.

"He (Rahul Gandhi) gave me a lot of love. He sought information about the current political situation in Punjab, on



what is happening with the government and what we should be doing there," Warring said after his meeting.

Warring's departure comes after months of infighting over who should lead the Congress into the 2027 assembly election. This was triggered by Congress's decision to retain

Warring as state unit president in July, ignoring the claims of former chief minister Charanjit Singh Channi. Warring's exit now marks a victory for Channi and his supporters.

Warring is out, but not down: Warring may be out of his post, but has dropped strong hints that his fight may be far from over. Hours after formally stepping down, Warring targeted his detractors, signalling he is not leaving the field yet. If Warring's remarks against party incharge Sachin Pilot are any indication to go by, we could well see a reversal of roles in

Punjab Congress infighting.

In an interaction with news agency , Warring said. "I feel that Sachin Pilot must have decided it was time to remove 'Raja' from the post." Warring, though, added that he had "no concrete proof" of this. Warring added he had not spoken to Pilot about his exit, but had heard that the state Congress incharge may have recommended a change. "Perhaps the in-charge mentioned that Raja Warring would have to be replaced," he said when asked about the reasons for his resignation.